MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 15 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-311

भारत लोकतंत्र नहीं!

अबकी बार भाजपा हार : राहुल गांधी

हैदराबाद, 14 नवंबर भ लाभ ब्यूरो)।

में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को विश्वास जताया कि विपक्ष केंद्र की भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करेगा। उन्होंने दावा किया कि देशभर में जनता के बीच बढ़ता असंतोष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ राजनीतिक बदलाव का संकेत दे रहा है। यहां आयोजित भारत समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इसके संकेत दिल्ली की सड़कों पर भी दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री



के चेहरे पर दिख रहा डर भी इसी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा की हार अब तय है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट कर दिया गया और भारत अब लोकतंत्र नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और चुनावी परिदृश्य में आए बड़े बदलाव के कारण विपक्ष लगभग एक दशक तक सदमे में रहा। उन्होंने भाजपा नेताओं को फासीवादी करार दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष भाजपा को नफरत और गुस्से से नहीं, बल्कि प्रेम और स्नेह से हराएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष भाजपा नेताओं को बदनाम करने, उनसे नफरत करने, उन्हें कुचलने या अपमानित करने में विश्वास नहीं रखता। विपक्ष अपने सिद्धांतों और लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में रहकर संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की हार सत्य, अहिंसा और प्रेम के हाथों होगी।

उन्होंने भाजपा शासन में राजनीति और कारोबार के बीच गठजोड़ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उद्योगपति गौतम अडाणी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच का अंतर लगभग समाप्त हो गया है। उनके अनुसार राजनीतिक वित्तपोषण और कॉरपोरेट विस्तार एक-दूसरे से जुड़ गए हैं तथा पिछले एक दशक में भाजपा की संपत्ति 11 गुना बढ़ी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा के सत्ता में आने से पहले दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में लगभग 600वें स्थान पर रहने वाले एक उद्योगपति का दूसरे स्थान तक पहुंचना राजनीति और कारोबार के इसी गठजोड़ का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि संस्थाओं को कमजोर किया गया है और मीडिया, ▶8पर

समिट भारत विरोधी?



नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशी ताकतों की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को कमजोर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भारत समिट में ऐसे लोगों को मंच दिया है, जिनके संबंध अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस से जुड़े नेटवर्क से हैं। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी की राजनीति अब राजनीतिक विरोध की सीमा से आगे बढ़कर राष्ट्रविरोधी एजेंडे की ओर बढ़ रही है। पार्टी ने कांग्रेस के उस फैसले पर भी सवाल उठाए, जिसके तहत विदेशी वक्ताओं को भारत समिट में आमंत्रित किया गया। भाजपा का आरोप है कि इनमें कुछ लोगों के संबंध जॉर्ज सोरोस समर्थित संगठनों से हैं और वे पहले भी भारत के खिलाफ कथित तौर पर विरोधी बयान दे चुके हैं। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष उषा अग्रवाल ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी राजनीति राष्ट्रविरोधी रास्ते की ▶8पर

श्रमिकों को सुरक्षा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तेलंगाना सरकार द्वारा ऐतिहासिक गिग वर्कर्स अधिनियम लागू करने और उनके अधिकारों एवं कल्याण की सुरक्षा के लिए गिग वर्कर्स कल्याण बोर्ड गठित करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गिग वर्कर्स को अपना साझेदार मानती है, जबकि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा उन्हें गुलाम बनाकर रखना चाहती है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ राहुल गांधी ने यहां तेलंगाना गिग वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में कांग्रेस ▶8पर

यादगार सवारी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को शनिवार को शिल्पारामम में आयोजित मोटरसाइकिल रैली के दौरान अपने स्कूटर पर पीछे बैठाकर सवारी कराने वाली गिग वर्कर ललिता खुशी से फूली नहीं समाईं। पेशे से स्टाफ नर्स ललिता अतिरिक्त आय के लिए अंशकालिक रूप से पिंक बाइक राइडर का काम भी करती हैं। मूल रूप से कुरनूल की रहने वाली ललिता उस स्कूटर को चला रही थीं, जिस पर राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ पीछे बैठकर रैली में हिस्सा लिया। ललिता ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि देश के एक बड़े नेता को अपने स्कूटर पर सवारी कराना उनके ▶8पर

एकजुटता को लेकर राजा भैया का बयान

इस्लाम से सीखें हिन्दू



नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रमुख कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने शनिवार को कहा कि हिंदुओं को एकजुट रहने के लिए इस्लाम से सीख लेनी चाहिए। उत्तर प्रदेश की कुंडा विधानसभा सीट से विधायक राजा भैया ने यह बात हिंदुओं को एकजुट करने वाली विचारधारा से जुड़े सवाल के जवाब में कही।

उन्होंने कहा कि कई मुस्लिम कांग्रेस में हैं, कई समाजवादी पार्टी में हैं, कई दूसरी राजनीतिक पार्टियों में हैं और कुछ वामपंथी दलों में भी हैं, लेकिन उनके लिए इस्लाम प्राथमिकता बना रहता है।

राजा भैया ने कहा कि हिंदुओं को किसी एक राजनीतिक दल की सीमाओं में बंधकर नहीं रहना चाहिए। हिंदुत्व के मुद्दे पर उन्हें यह याद रखना चाहिए कि वे सबसे पहले हिंदू हैं। राजनीतिक दल आते-जाते रहेंगे, लेकिन भगवान, धर्म और सनातन परंपरा के प्रति उनकी विचारधारा और आस्था दृढ़, प्रबल और खुलकर व्यक्त होनी चाहिए।

हिंदुत्व से जुड़े सवालों का दिया जवाब

हिंदुत्व के नाम पर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद और सॉफ्ट हिंदुत्व तथा हार्डकोर हिंदुत्व' को लेकर पूछे गए सवाल पर राजा भैया ने कहा कि भगवान का सीसीटीवी कैमरा केवल बाहर की तस्वीर नहीं देखता, बल्कि अंदर की भी तस्वीर देखता है। उन्होंने कहा कि वह किसी खास राजनीतिक दल का नाम नहीं लेना चाहते, लेकिन आज एक-दो अपवादों को छोड़ दें तो सभी राजनीतिक दल ऐसे हैं, जो हिंदुओं के बीच एकता या एकजुटता नहीं चाहते।

कुंडा में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की रामकथा आयोजित किए जाने के विरोध को लेकर राजा भैया ने कहा कि ऐसी मांगें असंवैधानिक हैं। उन्होंने लोगों से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 पढ़ने की अपील की।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का किया बचाव

भगवान श्रीकृष्ण को लेकर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कथित विवादित बयान पर राजा भैया ने उनका बचाव किया। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जाति व्यवस्था समाप्त करने और हिंदुओं को एकजुट करने की बात करते हैं। ▶8पर

NCP विलय लटका!

शाह के दौरे पर सबकी निगाहें



पुणे, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय की चर्चा के बीच अब सबसे बड़ा सवाल पार्टी के नेतृत्व को लेकर सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार और सुनेत्रा पवार-पार्थ पवार गुट के बीच नेतृत्व को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। दोनों गुटों के कुछ नेता शरद पवार की अगुवाई में पार्टी को फिर से एक करने के पक्ष में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार इस व्यवस्था से सहमत नहीं हैं। इसी वजह से विलय की बातचीत अंतिम दौर तक नहीं पहुंच पाई है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 15 और 16 नवंबर को प्रस्तावित पुणे दौरा भी राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। शाह पुणे जिला परिषद के एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण किया जाना है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित समय 20 मिनट से बढ़ाकर 40 मिनट किए जाने की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, शाह इस दौरान सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार से बातचीत कर सकते हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 26^0
न्यूनतम : 19^0

पाक पर ड्रोन हमला : जवाबी कार्रवाई में 24 ढेर



नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में आतंकियों ने सेना के काफिले को निशाना बनाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। बलूचिस्तान में गश्त कर रहे सैन्य वाहनों पर हथियारों से लैस क्वाडकॉप्टर के जरिए हमला किया गया। इस हमले में एक मेजर और एक हवलदार की मौत हो गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की।

वहीं, खैबर पख्तूनख्वा में भी आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया गया। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, दोनों प्रांतों में अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल 24 आतंकी मारे गए हैं। इस दौरान दो अन्य सैनिकों की भी जान गई है। यानी इन घटनाओं में 24 आतंकी और चार सैनिक मारे गए हैं।

बलूचिस्तान में ड्रोन से सैन्य वाहनों पर हमला

पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, शुक्रवार से बलूचिस्तान के कोलपुर, करदगाप और नुश्की इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाए जा रहे हैं। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात कोलपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ हुई। सेना ने दावा किया कि इस दौरान आठ आतंकी मारे गए। इनमें एक आत्मघाती हमलावर भी शामिल था। सेना ने बताया कि आतंकियों ने गश्त कर रहे सैन्य वाहनों पर हथियारों से लैस क्वाडकॉप्टर से हमला किया था। इस हमले में मेजर ओमर मिन्हास नासिर और हवलदार मुहम्मद अदनान खान की मौत हो गई। कार्रवाई के दौरान आतंकियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

खैबर पख्तूनख्वा में 16 आतंकी मारे गए

बलूचिस्तान के अलावा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान में भी सेना ने अभियान चलाया। यहां मीर अली, दत्ता खेल और आसपास के इलाकों में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। ▶8पर

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद
छठ पूजा महोत्सव 2026
पहला अर्घ्य : रविवार, 15 नवंबर 2026
अपराह्न 3:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक
द्वितीय अर्घ्य : सोमवार, 16 नवंबर 2026
प्रात: 4:00 बजे से 8:00 बजे तक
में आप सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार सादर आमंत्रित करता है
स्थान : बेबी पौंड, संजीवय्या पार्क के सामने, नेकलेस रोड, सिकंदराबाद
स्थान 2 : बतकामाकुंटा घाट, नल्लाकुंटा, अंबरपेट, हैदराबाद.
पहले दिन का मुख्य आकर्षण :
पारंपरिक विधि से छठ पूजा, सामूहिक अर्घ्य,
भोजपुरी लोकगायिका तत्शा गुप्ता (राँची)
एवं पवन पांडेय एंड टीम (हैदराबाद) द्वारा
रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह
मुख्य अतिथि : श्री विकास राज, आईएएस
स्पेशल चीफ सेक्रेटरी, परिवहन एवं भवन निर्माण विभाग, तेलंगाना सरकार
विशेष आकर्षण
गंगा आरती
काशी (बनारस) से पधार रही है गंगा आरती प्रस्तुत करने हेतु,
आचार्य शिवम् जी महाराज की मंडली ।
रविवार, 15 नवंबर 2026 (शाम 6:00 बजे से 6:45 बजे तक)
सोमवार, 16 नवंबर 2026 (प्रात: 6:10 बजे से 6:55 बजे तक)
मार्गदर्शक : आलोक कुमार झा, परमानंद शर्मा, संजय सिंह, डॉ. देव कुमार पुखराज, अजय कुमार सिंह, शशि सिन्हा, रजनीश कुमार झा, संयोग कुमार ठाकुर, पप्पू सिन्हा
आयोजन समिति :
राजु ओझा, राकेश त्रिपाठी, विकास सिंह, राधेश्याम प्रजापति, राकेश सिंह, प्रताप गवरव सिंह, जितेंद्र यादव, श्रीमती अनिता सिंह, रघुवीर सिंह, नवरतन पासवान, अरविंद कुमार सिंह, संदीप ओझा, नवल तिवारी, संजीव मिश्रा (अंबरपेट घाट प्रभारी)
मनीष तिवारी – अध्यक्ष | दीपक तिवारी – कोषाध्यक्ष | अभय वर्मा – सचिव
संपर्क सूत्र : 8639773800, 6302781157
सौजन्य से : रघुवीर सिंह
SR Constructions, Secunderabad
Garuda Ealami LLC-FZ, Dubai, U.A.E
Rudra Krishna Corporation, Kompally, Hyd



जापान में सिंथेटिक ईंधन तैयार करने की तकनीक पर हो रहा काम

टोक्यो

जापान में हवा और पानी की मदद से पेट्रोल तथा डीजल जैसा सिंथेटिक ईंधन तैयार करने की तकनीक पर काम किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में वातावरण से कार्बन डाइआक्साइड लेकर उसे पानी से प्राप्त हाइड्रोजन के साथ मिलाया जाता है। इसके बाद रासायनिक प्रक्रिया के जरिए तरल ईंधन तैयार किया जाता है। जापान के पास अपने प्राकृतिक तेल और गैस संसाधन सीमित हैं। इसलिए वह लंबे समय से ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर शोध कर रहा है। इसी दिशा में जापान की ऊर्जा कंपनी ईएनईओएस ने योकोहामा में एक प्रदर्शन संयंत्र शुरू किया है। यहां हवा से प्राप्त कार्बन डाइआक्साइड और पानी से निकाली गई हाइड्रोजन की मदद से सिंथेटिक ईंधन बनाने की प्रक्रिया का परीक्षण किया जा रहा है। इस तकनीक का पहला चरण डायरेक्ट एयर कैप्चर कहलाता है। इसमें विशेष मशीनों की मदद से वातावरण की हवा से कार्बन डाइआक्साइड को अलग किया जाता है। इसके बाद पानी को इलेक्ट्रोलाइसिस प्रक्रिया से गुजारा जाता है। इस प्रक्रिया में बिजली की मदद से पानी के अणुओं को तोड़कर हाइड्रोजन और आक्सीजन अलग किए जाते हैं। यदि इसके लिए सौर या पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय बिजली का इस्तेमाल किया जाए, तो ईंधन उत्पादन का कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिल सकती है।

तीसरे चरण में हवा से प्राप्त कार्बन डाइआक्साइड और पानी से निकाली गई हाइड्रोजन को एक विशेष रिएक्टर में भेजा जाता है। वहां उन्नत उत्प्रेरकों की मदद से फिशर-ट्राप्स संश्लेषण जैसी प्रक्रिया के जरिए तरल हाइड्रोकार्बन तैयार किए जाते हैं। इन्हें आगे पेट्रोल, डीजल या विमान ईंधन जैसे उत्पादों में बदला जा सकता है। इस सिंथेटिक ईंधन की एक खासियत यह बताई जाती है कि इसे मौजूदा इंजनों में इस्तेमाल करने के लिए बड़े बदलाव की जरूरत नहीं पड़ सकती। इसे ड्राप-इन फ्यूल कहा जाता है। इसका मतलब है कि निर्धारित मानकों पर खरा उतरने वाला ईंधन पारंपरिक ईंधन की तरह मौजूदा वाहनों और मशीनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। जापान में इस तकनीक से तैयार ईंधन के परीक्षण और सीमित उपयोग पर काम किया जा रहा है। पर्यावरण के लिहाज से इस तकनीक की अहमियत इसलिए है, क्योंकि ईंधन बनाने के दौरान पहले वातावरण से कार्बन डाइआक्साइड ली जाती है। जलने पर यह कार्बन फिर वातावरण में लौट सकती है। यदि पूरी प्रक्रिया में नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल हो, तो पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की तुलना में नए कार्बन उत्सर्जन को कम करने की संभावना बन सकती है।

हालांकि, इस तकनीक के सामने अभी कई चुनौतियां हैं। कार्बन डाइआक्साइड को हवा से अलग करना, पानी से हाइड्रोजन बनाना और फिर ईंधन तैयार करना काफी ऊर्जा और खर्च मांगता है। बड़े पैमाने पर उत्पादन को किफायती बनाना भी आसान नहीं है। इसलिए इसे कच्चे तेल का तत्काल विकल्प नहीं माना जा सकता। फिर भी भविष्य में तकनीक सस्ती और व्यापक होने पर परिवहन तथा ऊर्जा क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। मालूम हो कि दुनिया के कई देश कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हैं।

न्यूज ब्रीफ

स्टारशिप राकेट रिकवरी टेस्ट में नहीं मिली सफलता, एलन मस्क की उम्मीदों को झटका



वाशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स को अपने स्टारशिप राकेट के महत्वाकांक्षी परीक्षण में बड़ा झटका लगा है। कंपनी अपने स्टारशिप राकेट के दोनों हिस्सों को एक ही मिशन में वापस हासिल करने की कोशिश में सफल नहीं हो पाई। परीक्षण के दौरान राकेट का सुपर हेवी बूस्टर खाड़ी में जा गिरा, जिसके बाद तकनीकी समस्या के कारण इसे वापस हासिल करने का प्रयास छोड़ दिया गया। यह मिशन पहली बार स्टारशिप के बूस्टर और ऊपरी हिस्से, दोनों को सुरक्षित वापस प्राप्त करने के उद्देश्य से किया गया था। यह स्पेसएक्स का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी स्टारशिप परीक्षण था। करीब 22 घंटे के इस मिशन का मुख्य मकसद भविष्य में राकेट के दोनों हिस्सों को सफलतापूर्वक इस्तेमाल के लिए वापस लाना था। स्पेसएक्स की योजना पूरे स्टारशिप राकेट को पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल करने लायक बनाने की है। कंपनी का मानना है कि ऐसा होने पर अंतरिक्ष अभियानों की लान्चिंग प्रक्रिया तेज और आसान हो सकती है, जिससे चंद्रमा और मंगल ग्रह से जुड़े भविष्य के मिशनों को बड़ी मदद मिलेगी। अगर यह परीक्षण सफल रहता, तो अंतरिक्ष की कक्षा में भेजे गए किसी राकेट के सभी हिस्सों को वापस हासिल कर दोबारा इस्तेमाल करने की दिशा में यह पहली बड़ी उपलब्धि होती। एलन मस्क के लिए राकेट की पूर्ण पुन: उपयोग क्षमता बेहद अहम है। उनका मानना है कि चंद्रमा पर बेस बनाने और इंसानों को मंगल ग्रह तक पहुंचाने के लिए बार-बार और कम समय के अंतराल पर राकेट लान्च करना जरूरी होगा। इससे पहले सितंबर में हुए परीक्षण में स्टारशिप पहली बार पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचने में सफल रहा था, हालांकि उस दौरान कंपनी ने राकेट के किसी भी हिस्से को वापस हासिल करने की कोशिश नहीं की थी।

अमेरिका: उड़ानों पर लगी रोक 4 घंटे बाद हटाई गई, 8 हजार उड़ानें रद्द



वाशिंगटन। अमेरिका में एयर ट्रैफिक कंट्रोल के कम्युनिकेशन सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण करीब चार घंटे देशभर में विमानों की उड़ान रोकनी पड़ीं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने सुरक्षा कारणों से देशभर के एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकने का आदेश दिया था। हालांकि चार घंटे बाद उड़ानों पर लगी रोक हटा दी गई। एफएए के इस आदेश इस दौरान 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और करीब 15 लाख यात्री प्रभावित हुए। सामान्य स्थिति बहाल होते-होते शनिवार को भी काफी संख्या में उड़ानों को रद्द करना पड़ा। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने दावा किया है कि अबतक किसी साइबर हमले के संकेत नहीं हैं और यह स्थिति 9/11 जैसी नहीं है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा कि देशभर के हवाई अड्डों पर लागू किए गए ग्राउंड स्टाप के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा कोई खतरा होने के संकेत नहीं मिले हैं और यह दूरसंचार व्यवस्था में आई बाधा है। उन्होंने यात्रियों और उनके परिवारों को पूरी सुरक्षा को लेकर भरोसा दिलाया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकी हमले के बाद यह दूसरा मौका है जब देशभर में उड़ानों का संचालन एक साथ व्यापक रूप से प्रभावित हुआ है।

शरजील विवाद: यूएस आयोग की टिप्पणी पर भारत ने किया पलटवार

वाशिंगटन। अमेरिका के एक सरकारी आयोग ने दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को धार्मिक स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाने के कारण हिरासत में रखा गया व्यक्ति बताकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। भारत ने इस टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जताई है। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आयोग की टिप्पणी को पक्षपातपूर्ण, अधूरी जानकारी पर आधारित और पूर्वाग्रह से ग्रसित बताते हुए कहा कि उसे भारत के नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों पर फैसला सुनाने का कोई अधिकार नहीं है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग(यूएससीआईआरएफ) ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में शरजील इमाम को एक मुस्लिम व्यक्ति बताया, जिन्हें भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की वकालत करने के कारण हिरासत में रखा गया है। आयोग ने अपनी वेबसाइट पर इमाम की प्रोफाइल का लिंक भी साझा किया। भारत की ओर से इस पर त्वरित प्रतिक्रिया आई। राजदूत क्वात्रा ने एक्स पर लिखा कि यूएससीआईआरएफ की आदतन पक्षपातपूर्ण और पूर्वाग्रह से ग्रसित टिप्पणियां भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता को कमजोर नहीं कर सकतीं। उन्होंने आयोग को सलाह दी कि वह दूसरों को उपदेश देने के बजाय अपने पूर्वाग्रहों पर आत्ममंथन करे। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र शरजील इमाम दिसंबर 2019 में सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान सुर्खियों में आए थे। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि उनके भाषणों के जरिए लोगों को भड़काने और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश की गई।

विश्व जलवायु सम्मेलन में हिमालयी मुद्दों पर पीछे नहीं हटा नेपाल, एजेंडे के जरिए रखीं प्रमुख मांगें

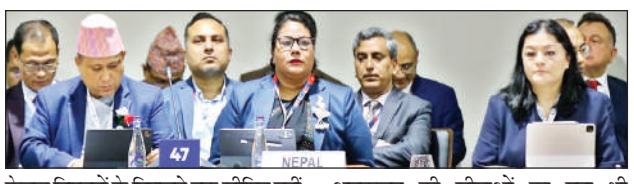
काठमांडू

विश्व जलवायु सम्मेलन में हिमालयी मुद्दों को अलग औपचारिक एजेंडे में शामिल नहीं किए जाने के बावजूद नेपाल ने अपनी मांगों से पीछे हटने से इनकार कर दिया है। तुर्किये के अंताल्या में जारी सम्मेलन के दौरान बहुपक्षीय वार्ताओं में नेपाल हिमालयी क्षेत्र के लिए अलग कार्यक्रम, वित्तीय सहायता और तकनीकी क्षमता विकास की मांग लगातार उठा रहा है।

नेपाल जलवायु वित्त के मामले में विकसित देशों की जवाबदेही का मुद्दा भी उठा रहा है। नेपाल का कहना है कि विकसित देशों ने आर्थिक सहायता के जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा नहीं किया गया है। अंतरराष्ट्रीय जलवायु कोषों में पर्याप्त धनराशि नहीं है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने के नाम पर विकासशील देशों पर अतिरिक्त कर्ज का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।

नेपाल ने जलवायु संकट के साथ उससे पैदा होने वाले आर्थिक अवसरों का मुद्दा भी उठाया है। दुनिया जब तेल, गैस और कोयले के बजाय स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रही है तो नेपाल जैसे देशों को भी निवेश, तकनीक और आर्थिक लाभ मिलना चाहिए। COP-31 में शामिल नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के अनुसार, नेपाल ने हाल के दौर की वार्ताओं में इन मुद्दों को समेटते हुए एजेंडा पेश किया है।

जलवायु संकट की गंभीरता स्वीकार करना – नेपाल का पहला मुद्दा जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही विनाशकारी प्राकृतिक घटनाओं से संबंधित है। बाढ़, हिमनदों के टूटने, सूखा, पानी की कमी और मरुस्थलीकरण जैसी समस्याओं में वृद्धि का उल्लेख करते हुए नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल कदम उठाने की मांग की है। इसमें हिमालयी क्षेत्रों के साथ समुद्र और बर्फ से ढके अन्य क्षेत्रों में बढ़ते जोखिम भी शामिल हैं। नेपाल की चिंता



केवल हिमनदों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालयी क्षेत्र में होने वाले बदलावों का असर निचले इलाकों की नदी प्रणालियों, सिंचाई, पेयजल, जलविद्युत और बस्तियों पर भी पड़ सकता है। किसी क्षेत्र में अचानक बड़ी बाढ़ आ सकती है, जबकि दूसरे क्षेत्र में पानी की कमी हो सकती है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल इन घटनाओं को अलग-अलग प्राकृतिक आपदाओं के रूप में नहीं बल्कि जलवायु परिवर्तन से बढ़ रहे व्यापक जोखिम के रूप में देखने पर जोर दे रहा है।

हिमालयी क्षेत्र के लिए अलग अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम – नेपाल की दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण मांग हिमालयी क्षेत्र के लिए अलग अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम स्थापित करने की है। नेपाल चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र की जलवायु प्रक्रिया के तहत हिमालयी क्षेत्र की समस्याओं पर केंद्रित नियमित कार्य करने की व्यवस्था बनाई जाए। इसमें हिमालयी क्षेत्र के जलवायु संकट से निपटने के लिए कितनी वित्तीय सहायता की जरूरत है, वर्तमान में कितनी कमी है और किस तरह की तकनीकी एवं संस्थागत क्षमता विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे विषय शामिल हैं।

हिमनदों के पिघलने की प्रक्रिया, जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालीन प्रभाव और हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता पर वैज्ञानिक अध्ययन बढ़ाने की मांग भी की गई है। इसका मतलब है कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिमालयी क्षेत्र के बढ़ते जोखिमों पर केवल चर्चा न हो बल्कि उनके समाधान के लिए नियमित काम करने वाला तंत्र भी बनाया जाए। इसमें जलवायु अनुकूलन की सीमाओं का मुद्दा भी महत्वपूर्ण है। पूर्व चेतावनी प्रणाली, सुरक्षित बुनियादी ढांचे और अन्य उपायों के जरिए प्राकृतिक आपदाओं का जोखिम कम किया जा सकता है लेकिन सभी उपाय अपनाने के बावजूद कुछ नुकसान पूरी तरह रोकना संभव नहीं होता। नेपाल ने हिमालयी क्षेत्र के ऐसे विशिष्ट जोखिमों को अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीतियों में मान्यता देने की मांग की है।

जलवायु संकट रोकने और उसके प्रभावों से बचाव के प्रयास पर्याप्त नहीं – नेपाल का तीसरा एजेंडा अब तक किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की कमियों से संबंधित है। नेपाल का कहना है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने, आपदाओं के बाद हुए नुकसान की भरपाई करने और इसके लिए आर्थिक एवं तकनीकी संसाधन जुटाने के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसमें जलवायु अनुकूलन के लिए धन की कमी के साथ मौसम और जलवायु की नियमित निगरानी तथा आंकड़े एकत्र करने की व्यवस्था में मौजूद कमजोरियों का मुद्दा भी उठाया गया है। नेपाल के लिए यह मुद्दा सीधे तौर पर महत्वपूर्ण है।

हिमझीलों के संभावित खतरे का पता लगाने के लिए नियमित वैज्ञानिक निगरानी जरूरी है। भारी बारिश या अचानक बाढ़ की आशंका पहचानने के लिए विश्वसनीय मौसम संबंधी आंकड़े और पूर्व चेतावनी प्रणाली आवश्यक हैं। लेकिन पर्याप्त उपकरण, अनुसंधान, दक्ष जनशक्ति और वित्तीय संसाधनों के अभाव में जोखिम की पहचान और उसे कम करना मुश्किल हो जाता है। नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उत्सर्जन कम करने के प्रयास तेज करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देशों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है।

आर्थिक मदद हासिल करना आसान बने, कर्ज का बोझ नहीं – नेपाल की चौथी मांग जलवायु वित्त प्राप्त करने की प्रक्रिया से जुड़ी है। जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देशों को आर्थिक सहायता की जरूरत है। लेकिन इस धनराशि को प्राप्त करना मुश्किल होता है, निवेश जुटाना महंगा पड़ता है और कई बार देशों को इसके लिए कर्ज लेना पड़ता है। नेपाल ने इस समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त, नियमित, अनुदान आधारित और अत्यधिक रियायती वित्तीय सहायता की मांग की है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने शुक्र को छोटे द्वीपीय देशों और अल्पविकसित देशों की जलवायु वित्त संबंधी जरूरतें और वित्त तक पहुंच विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय कार्यक्रम में इसी मुद्दे पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, जलवायु उत्थानशीलता ऋण की स्थिरता की कीमत पर हासिल नहीं की जानी चाहिए। हमें व्यावसायिक ऋण नहीं बल्कि पूर्वानुमान योग्य सार्वजनिक अनुदान और अत्यधिक रियायती वित्तीय संसाधनों की जरूरत है।

इसका मतलब है कि जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करने के लिए प्रभावित देशों को उसी काम के लिए महंगा कर्ज लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। नेपाल में हिमझीलों के जोखिम को कम करने, बाढ़ की पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने, सुरक्षित सड़क और पुल बनाने तथा आपदाओं के बाद पुनर्निर्माण के लिए बड़ी धनराशि की जरूरत होती है। इन कार्यों के लिए लिए गए कर्ज का मूलधन और ब्याज चुकाने से भविष्य में देश पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है।

अमेरिका में एच-1बी वीजा धारकों को वर्क वीजा का विस्तार कराना होगा मुश्किल



वाशिंगटन

नए प्रस्ताव के तहत वीजा एक्सटेंशन की जांच प्रक्रिया और सख्त करने की तैयारी

अमेरिका में काम कर रहे हजारों एच-1बी वीजा धारकों और अन्य विदेशी कर्मचारियों को वर्क वीजा का विस्तार कराना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने एक नए प्रस्ताव के तहत वीजा एक्सटेंशन की जांच प्रक्रिया सख्त करने की तैयारी कर ली है। इस प्रस्ताव के तहत अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा के अधिकारियों के लिए यह जरूरी नहीं होगा कि वे उसी नियोक्ता, कर्मचारी और नौकरी के लिए पहले दी गई वीजा मंजूरी को दोबारा आवेदन की जांच करते समय आधार मानें।

डीएचएस के अनुमान के मुताबिक इस बदलाव से हर साल करीब 2,08,429 याचिकाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिनमें एच-1बी, एल-1, ओ-1, टीएन और ई श्रेणी के वीजा शामिल हैं। यह प्रस्ताव 14 अक्टूबर 2026 को जारी किया गया था और इस पर आम लोगों व संबंधित पक्षों से सुझाव देने की अंतिम तारीख 13 नवंबर तय की गई थी। हालांकि, अभी यह प्रस्ताव अंतिम रूप से लागू नहीं हुआ है, जब तक डीएचएस अंतिम नियम जारी कर उसे प्रभावी नहीं करता, तब तक मौजूदा व्यवस्था जारी रहेगी।

बता दें वर्तमान नियम के तहत यदि कोई नियोक्ता उसी कर्मचारी, उसी नौकरी और समान परिस्थितियों में वीजा विस्तार के लिए आवेदन देता है, तो यूएससीआईएस आमतौर पर पहले दी गई मंजूरी को महत्व देता है। हालांकि यदि पुराने फैसले में कोई बड़ी गलती सामने आती है, परिस्थितियों में बदलाव होता है या पात्रता से जुड़ी नई जानकारी मिलती है, तो अधिकारी पुराने फैसले से अलग फैसला ले सकते हैं। डीएचएस अब इस व्यवस्था को खत्म करना चाहता है, जिसके लिए प्रावधान को रिजर्व्ड यानी भविष्य के लिए सुरक्षित चिह्नित करने का प्रस्ताव है। यदि यह बदलाव लागू होता है, तो अधिकारी वीजा विस्तार के आवेदन की नए सिरे से जांच कर सकेंगे और उन सवालों पर भी दोबारा विचार कर सकेंगे, जिनका पहले निपटारा हो चुका है। एच-1बी धारकों से ज्यादा दस्तावेज मांगे जा सकते हैं और डीएचएस के मुताबिक फार्म आई-129 के कुल आवेदनों में 75 फीसदी से ज्यादा एच-1बी वीजा से जुड़े होते हैं। ऐसे में प्रस्तावित बदलाव का सबसे ज्यादा असर एच-1बी धारकों पर पड़ सकता है, जिससे हर साल करीब 6,044 अतिरिक्त साक्ष्य के अनुरोध जारी हो सकते हैं।

पिज्जा पर अनानास डालने को माना जाता है इटलियन खाद्य संस्कृति का अनादर



रोम। आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में इतालवी शेफ को कथित तौर पर इसलिए रेस्टोरेंट से निकाल दिया गया, क्योंकि उसने पिज्जा पर अनानास डालने से मना कर दिया था। इस घटना ने खाने-पीने से जुड़ी एक पुरानी बहस को फिर से चर्चा में ला दिया है। इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि इटली में पिज्जा पर अनानास डालने का इतना कड़ा विरोध क्यों किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका मुख्य कारण इटैलियन खाद्य संस्कृति में पुरानी रेसिपी और खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों को सहेजकर रखने का महत्व है। पारंपरिक व्यंजन पीढ़ियों से चले आ रहे खान-पान के अनुभव को दर्शाते हैं, जहाँ किसी भी चीज़ को किसी के भी साथ मिलाना स्वीकार्य नहीं होता। इस नजरिए से, पिज्जा पर अनानास डालने को इस व्यंजन के इतिहास और पहचान का अनादर माना जाता है। एक और बड़ी आपत्ति स्वाद को लेकर है। पारंपरिक इटैलियन पिज्जा का स्वाद आमतौर पर नमकीन, तीखा और हल्का खट्टा होता है, जिसमें टमाटर की मुख्य भूमिका होती है। जबकि अनानास मिलाने से इसमें काफ़ी मिठास और खटास आ जाती है। जानकारों का तर्क है कि अनानास का स्वाद इतना तेज़ होता है कि यह टमाटर सास और मोज़रेला चीज़ के स्वाद को दबा देता है।

जासूसी की बात स्वीकारने पर तांग को कोर्ट ने सुनाई 3 साल की सजा

बचाव पक्ष के वकील ने कहा- तांग लोकतंत्र समर्थक, लेखक और कार्यकर्ता

बीजिंग

न्यूयार्क में चीन के असंतुष्ट समुदाय के एक सदस्य को अपने साथी कार्यकर्ताओं की पांच साल तक चीन सरकार के लिए जासूसी करने की बात स्वीकार करने के बावजूद मैनहट्टन की संघीय कोर्ट ने जेल की सजा नहीं सुनाई। युआनजुन तांग (69) तीन दशक से ज्यादा समय से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं। न्यायाधीश जान जी कोएल्टल ने उन्हें तीन साल की परिवीक्षा की सजा सुनाई।

न्यायाधीश ने कहा कि कुछ लोगों के इस दावे की पुष्टि नहीं हो सकी कि तांग की गतिविधियों के कारण उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से निशाना बनाया गया था। अमेरिकी सहायक अटार्नी जेन चोंग ने न्यायाधीश से तांग को पांच साल की जेल की सजा देने का अनुरोध किया था। तांग ने सितंबर 2025 में इस आरोप को स्वीकार कर लिया था कि उन्होंने अमेरिकी अटार्नी जनरल के कार्यालय में चीन सरकार के एजेंट के रूप में अपना पंजीकरण नहीं कराया था। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल लोकतंत्र समर्थक, लेखक और कार्यकर्ता हैं। वह अपने बीमार माता-पिता और



भाई से मिलने के लिए चीन लौटने की बेहद इच्छा रखते थे और इसी सिलसिले में उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से हुई, जिसने उन्हें चीन जाने में मदद करने का भरोसा दिलाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक वकील ने कहा कि तांग को चीन पहुंचने के बाद ही पता चला कि वह व्यक्ति जासूस था। वहां पहुंचने पर उन्हें यह भी पता चला कि उनकी मां और भाई की पहले ही मौत हो चुकी थी। तांग ने कहा कि उन्होंने चीन जाकर अपने माता-पिता से मिलने की इच्छा में अपने सिद्धांतों से समझौता किया। उन्होंने कहा कि मुझे अपने किए पर गहरा पछतावा है। मेरे कार्यों से कुछ लोगों को नुकसान पहुंचा है। तांग को अक्टूबर 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी से पहले चीन की ओर से विदेशों में असंतुष्टों को परेशान करने और उनकी आवाज दबाने की कोशिशों से जुड़े कई चर्चित मामलों की जांच हुई थी। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक एक चीनी खुफिया अधिकारी के निर्देश पर तांग चीन के खिलाफ होने वाले स्थानीय विरोध प्रदर्शनों की तस्वीरें लेने और उनकी रिकार्डिंग करने के लिए सहमत हो गए थे।

इश्क या लड़की के चक्कर में रातों-रात कई कंपनियों के बास को चुकानी पड़ी बड़ी कीमतें

जेनसन ने सभी पदों से दिया इस्तीफा, कार्पोरेट इतिहास में कुर्सी गंवाने वाले वह अकेले नहीं

न्यूयार्क

टेक दिग्गज कंपनी एनवीडिया के सीईओ और को-फाउंडर जेनसन हुआंग ने कंपनी के सीईओ समेत सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। ऐलिस हुआंग नाम की महिला से अफेयर के कारण उन्हें ये कदम उठाना पड़ा। ऐलिस सिंगापुर की कंपनी मेगस्पीड में वरिष्ठ पद पर काम करती हैं और शक है कि वे चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हैं, लेकिन कार्पोरेट इतिहास में जेनसन हुआंग अकेले ऐसे दिग्गज नहीं हैं, जिन्हें इश्क या दफ्तर में बने रिश्तों की कीमत अपनी कुर्सी गंवाकर चुकानी पड़ी हो। हुआंग से पहले भी कई बड़ी कंपनियों के बास लड़की के चक्कर में रातों-रात बाहर का रास्ता देख चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जेनसन हुआंग का मामला अन्य सीईओ से अलग और गंभीर है। नौकरी मुख्य रूप से कंपनी की पालिसी और कार्पोरेट आचरण के उल्लंघन की वजह से गई, वहीं जेनसन हुआंग के मामले में नेशनल सिक्योरिटी का भी पेंच फंसा है। यह मामला अमेरिकी संसद तक पहुंच गया है। अमेरिकी सांसद उनसे एलिस हुआंग के साथ उनके संपर्कों और एनवीडिया की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूछने की तैयारी में हैं।

बता दें एनर्जी कंपनी बीपी के पूर्व सीईओ बर्नार्ड लूनी जेनसन के बाद वह बड़ा नाम है, जिनको इश्क के चक्कर में नौकरी गंवानी पड़ी। सितंबर 2023 में उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। कंपनी की आंतरिक जांच में यह बात सामने आई थी कि लूनी के अपने आफिस की लड़कियों से अफेयर्स थे। इस विवाद के बाद कंपनी की साख और कार्पोरेट गवर्नेंस पर गंभीर सवाल उठे। इसके बाद कंपनी ने लूनी को बाहर का



रास्ता दिखाया और उनके वेतन और भत्तों के एक बड़े हिस्से की वसूली तक की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। दुनिया की सबसे बड़ी फूड और बेवरेज कंपनी नेस्ले ने सितंबर 2025 में अपने सीईओ लारेंट फ्रीक्स को बर्खास्त कर दिया था। कंपनी की जांच में खुलासा हुआ कि फ्रीक्स का अपने ही अधीन काम करने वाली एक महिला कर्मचारी से प्रेम संबंध थे और उन्होंने इस बात को कंपनी से छिपाकर रखा। नेस्ले ने इसे व्यावसायिक आचार संहिता का सीधा उल्लंघन माना। वहीं फास्ट-फूड चेन मैकडानल्ड्स ने नवंबर 2019 में अपने सीईओ स्टीव ईस्टरब्रुक को नौकरी से निकाल दिया था। कंपनी को पता चला कि ईस्टरब्रुक का एक कर्मचारी के साथ प्रेम संबंध था, जो कंपनी की नीतियों के खिलाफ था। मामला यहीं नहीं रुका, बाद में एक कानूनी समझौते के तहत ईस्टरब्रुक को कंपनी से मिले पैकेज की एक बड़ी रकम भी वापस करनी पड़ी थी। टेक्नोलाजी कंपनी एस्ट्रोनामर के सीईओ एंडी बायरन की कुर्सी छीन ली थी। जुलाई 2025 में एक कोल्डप्ले कान्सर्ट के दौरान उनका अपनी ही कंपनी की एक महिला कर्मचारी को गले लगाते हुए वीडियो वायरल हो गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। समय और धन की कद्र आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक घटना आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से भरा दिन, जब नज़दीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाक़ात संभव है, जिसके चलते पुरानी ख़ुशनुमा यादें फिर तरोताज़ा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी ख़ास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख़्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डालें, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें- आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है जीवनसाथी आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक़्त में कोई पुस्तक पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकाग्रता को भंग कर सकते हैं

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। अचानक आयी ज़िम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज़्यादा और ख़ुद के लिए कम कर पा रहें। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताज़गी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन-देन में सावधानी की ज़रूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी ख़बर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 नवंबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:02 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 11:29 तक
योग : शूल प्रात: 06:22 तक
करण : कौलव दोपहर 12:45 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:21 ,सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहूकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सूर्य षष्ठी, छट पूजा

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दक्षिण भारत के प्रथम निःशुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी पशु अस्पताल एवं शेल्टर का शुभारंभ 30 को



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज्ञान पंचमी के पावन अवसर पर डी.वी. कॉलोनी जैन मंदिर, सिकंदराबाद में श्री गुजराती जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीएचएसपीसीए (ग्रेटर हैदराबाद सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स) द्वारा प्रस्तावित मल्टी-स्पेशियलिटी एनिमल हॉस्पिटल एवं शेल्टर के पत्रिका लेखन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निश्रादाता परम पूज्य मुनिराज श्री तीर्थसुंदर जी महाराज साहेब आदि ठाणा के पावन आशीर्वाद एवं मंगल सान्निध्य में इस महत्वपूर्ण जीवदया परियोजना की जानकारी साझा की गई। जीए-चएसपीसीए द्वारा बेगम बाजार, हैदराबाद में दक्षिण भारत का प्रथम निःशुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी एनिमल हॉस्पिटल एवं शेल्टर स्थापित किया जा रहा है। इस अस्पताल का मुख्य उद्देश्य लावारिस एवं बेसहारा पशु-पक्षियों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यहां जरूरतमंद जीवों का संपूर्ण उपचार पूरी तरह निः शुल्क किया जाएगा। यह परियोजना जीवमात्र के प्रति करुणा, सेवा और अहिंसा की भावना को समर्पित एक महत्व-पूर्ण पहल है।

इस ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत 29 नवंबर 2026 को श्री सत्य साईं निगमागमम, हैदराबाद में 'मुझे बचाओ 2.0 – To Experience a Journey of Jeevdaya' नामक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से आम नागरिकों को जीवदया, पशु-पक्षी संरक्षण एवं उनके प्रति संवेद-नशीलता का संदेश दिया जाएगा।

वहीं, 30 नवंबर 2026 को बेगम बाजार, हैदराबाद में जीए-चएसपीसीए मल्टी-स्पेशियलिटी एनिमल हॉस्पिटल एवं शेल्टर का भव्य उद्घाटन प्रस्तावित है।

पत्रिका लेखन समारोह में जीएचएसपीसीए की ओर से महिप जैन, दिनेश अंचलिया, सुरेंद्र भंडारी, योगेश गोसार, मनोज अलिजार, हितेन शाह, सौधर्म भंडारी, तकी अली, पार्थ शाह, अक्षय बालडोटा, अक्षत जैन, सिद्धम भंडारी, निखिल अंचलिया, सोनल अंचलिया एवं धारा जैन सहित किरण भाई तथा डी.वी. कॉलोनी जैन मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सभी ने इस सेवा कार्य को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों तक जीवदया का संदेश पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।'जीवदया ही सच्ची मानवता है' के संदेश के साथ सभी से आह्वान किया गया कि वे मिलकर हर बेजुबान जीव को जीवन, उपचार और सुरक्षा प्रदान करने के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

जगमोहन सिंह हाउस अरेस्ट!



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने और लोकतांत्रिक अधिकारों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने राहुल गांधी के तेलंगाना दौरे से पहले भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह को हाउस अरेस्ट किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे देश में लोकतंत्र की बात करती है, लेकिन तेलंगाना में पुलिस और हाउस अरेस्ट के माध्यम से विपक्ष को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के दौरे से ठीक पहले मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया।

मुकेश जैन चौहान ने सवाल उठाया कि कांग्रेस सरकार एक नेता के दौरे से इतनी चिंतित क्यों है कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष को घर में नजरबंद करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा का आरोप है कि सरकार पुलिस और प्रशासन के माध्यम से विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है।

उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र नहीं, तानाशाही है। कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए डर, पुलिस प्रतिबंध और धमकी की राजनीति कर रही है। आंदोलन को अस्थायी रूप से रोका जा सकता है, लेकिन आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि जगमोहन सिंह अकेले नहीं हैं और पूरा भाजपा परिवार उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

चौहान ने कहा कि तेलंगाना की जनता सरकार के कदमों पर नजर रख रही है और जनता हर बात का हिसाब रखती है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने मांग की कि सरदार जगमोहन सिंह को तत्काल रिहा किया जाए तथा कांग्रेस सरकार डर की राजनीति बंद करे। उन्होंने कहा कि भाजपा तेलंगाना में लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राहुल गांधी के दौरे के दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर प्रदर्शन करने और ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम निर्धारित था। इसी को देखते हुए सरकार ने एहतियातन सरदार जगमोहन सिंह को उनके आवास पर ही रोक दिया। भाजपा ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध और संविधान विरोधी कदम बताया है।

बुजुर्गों के आशीर्वाद से नई पीढ़ी में जागृत हो रही सेवा और समर्पण की भावना : वंश अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने दादा एवं राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल के साथ सेवा केंद्र पर पहुंचे वंश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा और समर्पण की भावना परिवार के बड़े-बुजुर्गों के संस्कारों और उनके आशीर्वाद से ही नई पीढ़ी तक पहुंचती है। जीवन में सेवा का महत्व समझने और जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा हमें अपने परिवार के संस्कारों से मिलती है।

वंश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, श्रद्धा और समर्पण के साथ नियमित रूप से अन्नसेवा का कार्य कर रहा है, वह वास्तव में राधा रानी की असीम कृपा का ही परिणाम है। बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के जरूरतमंदों की सेवा करना समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्यों में शामिल होने से नई पीढ़ी को भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और सेवा के संस्कारों को अपने जीवन में अपनाने का अवसर मिलता है।

उन्होंने आगे कहा कि जब बच्चे अपने परिवार के बड़े-बुजुर्गों को निस्वार्थ भाव से समाजसेवा करते हुए देखते हैं, तो उनके मन में भी सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सेवा के संस्कारों का पहुंचना ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से जिस प्रकार सेवा की परंपरा निरंतर आगे बढ़ रही है, वह आने वाले समय में समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

वंश अग्रवाल का अपने दादा जगत नारायण अग्रवाल के साथ अन्नसेवा केंद्र पर पहुंचना भी इसी पीढ़ीगत संस्कार और सेवा परंपरा का सुंदर उदाहरण रहा। ऐसे अवसर नई पीढ़ी को यह संदेश देते हैं कि जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के काम आने और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने में है। मानव सेवा को ईश्वर की सच्ची आराधना मानकर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, वंश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसूवाले, शिव भगवान अग्रवाल, नरेश बंसल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल एवं राजेश सर (योग) सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ. बीट्रिस ऐन को बेस्ट एंडोक्राइनोलॉजिस्ट अवॉर्ड



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की राज्य शाखा की ओर से पंजागुट्टा स्थित निम्स अस्पताल के एंडोक्राइनोलॉजी विभाग में आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष एवं एडिशनल प्रोफेसर डॉ. बीट्रिस ऐन को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बेस्ट एंडोक्राइनोलॉजिस्ट अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. शकीला खानम ने कहा कि गलत खान-पान, तनाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी और बदलती जीवनशैली मधुमेह के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अपनाने की सलाह दी। डॉ. बीट्रिस ऐन ने मधुमेह से होने वाली गंभीर जटिलताओं के प्रति जागरूक करते हुए प्रतिदिन व्यायाम, योग एवं ध्यान करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने डॉ. बीट्रिस ऐन को शॉल, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में डॉ. अख्तर अली, कुंभर्थी रवींद्र, मित्रा जॉन बुनियन, गड्डमीदी वेणुगोपाल, बिच्चुकारी सूर्या सहित चिकित्सक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हैंडलूम प्रदर्शनी का शुभारंभ



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोशलाइट बीना मेहता ने बंजारा हिल्स स्थित कलिंगा कल्चरल हॉल में नौ दिवसीय 'हैंड टू हैंड-ए हैंडलूम एग्जीबिशन 2026' का औपचारिक उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी का आयोजन जगदीश्वर हस्तकला द्वारा किया गया है।

इस अवसर पर बीना मेहता ने कहा कि महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के मंचों की आवश्यकता है, जहां उन्हें आकर्षक डिजाइन वाले हस्तनिर्मित सूती एवं रेशमी वस्त्र, विशेष सिल्क साड़ियां तथा विभिन्न प्रकार की हथकरघा कलाकृतियां एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां पारंपरिक हस्तकला और हथकरघा उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ ग्राहकों को भी बेहतर विकल्प प्रदान करती हैं।

प्रदर्शनी के आयोजक जयेश कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि यह एक्सपो 22 नवंबर 2026 तक चलेगा। उन्होंने कहा कि इस हैंडलूम प्रदर्शनी का प्रमुख सामाजिक उद्देश्य बुनकरों को प्रोत्साहन देना, हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देना तथा उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि ऐसी प्रदर्शनियों के माध्यम से बुनकरों और उनके हाथों से तैयार किए गए हथकरघा उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। यहां तक कि उन स्थानों पर भी इन उत्पादों को पहुंचाने का अवसर मिलता है, जहां सामान्य तौर पर इस प्रकार की प्रदर्शनियों का आयोजन संभव नहीं हो पाता। जयेश कुमार ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बिचौलियों और दुकानदारों की भूमिका के बिना शुद्ध रेशमी एवं सूती उत्पादों को सीधे बुनकरों से ग्राहकों तक पहुंचाना है, ताकि बुनकरों को उनके उत्पादों का उचित बाजार मिले और ग्राहकों को भी सीधे खरीदारी का लाभ प्राप्त हो सके।

कामिनेनी हॉस्पिटल्स में बाल दिवस मनाया

हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामिनेनी हॉस्पिटल्स की ओर से बाल दिवस के अवसर पर 'कामिनेनी किड्स फेस्ट 2026' का आयोजन किया गया। एलबी नगर, किंग कोठी, नारकटपल्ली और विजयवाड़ा स्थित अस्पतालों में आयोजित इस कार्यक्रम में 500 से अधिक बच्चों एवं उनके परिवारों ने भाग लिया। स्वास्थ्य जागरूकता के साथ पारिवारिक मनोरंजन और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा। इस अवसर पर अस्पताल कर्मचारियों के शिशुओं से लेकर किशोर आयु वर्ग तक के बच्चों की पांच विशेषज्ञताओं के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें बाल रोग, नेत्र रोग, नाक-कान-गला, दंत चिकित्सा एवं पोषण संबंधी जांच शामिल रही। विशेषज्ञों ने बच्चों के शारीरिक विकास, दृष्टि, श्रवण क्षमता, दांतों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं का आकलन



किया। पोषण विशेषज्ञों ने बच्चों के लिए व्यक्तिगत आहार संबंधी सुझाव दिए तथा अभिभावकों को संतुलित भोजन, स्वच्छता और आयु के अनुरूप स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की जानकारी दी। कामिनेनी हॉस्पिटल्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. गायत्री कामिनेनी ने कहा कि जीवनभर अच्छे स्वास्थ्य की नींव बचपन में ही रखी जाती है। दृष्टि, श्रवण क्षमता, दंत स्वास्थ्य, पोषण और शारीरिक विकास से जुड़ी समस्याओं की समय रहते पहचान होने पर उचित मार्गदर्शन एवं उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की देखभाल का अर्थ उनके परिवारों की खुशहाली का ध्यान रखना भी है। ऐसे आयोजन परिवारों के बीच संबंध मजबूत करने के साथ स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण यह रहा कि डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों ने अपनी व्यावसायिक जिम्मेदारियों से समय निकालकर परिवारों एवं सहकर्मियों के साथ आनंद के पल बिताए। अस्पताल परिसर में खेलकूद, मनोरंजक गतिविधियों, खानपान के स्टॉल, स्नैक्स और मेहंदी की व्यवस्था की गई। इन गतिविधियों से विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को आपसी मेलजोल और मनोरंजन का अवसर मिला।

नेहपाल सिंह वर्मा की 90वीं जयंती पर साहित्यिक समारोह आज

हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी साहित्य के वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार कीर्तिशेष नेहपाल सिंह वर्मा की 90वीं जयंती के उपलक्ष्य में हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद एवं गीत चाँदनी काव्य यात्रा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 15 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे नाचारम स्थित श्री पातालेश्वर हनुमान मंदिर परिसर में साहित्यिक समारोह आयोजित किया जाएगा।

गीत चाँदनी के कार्यदर्शी एवं कवि गोविंद अक्षय के अनुसार समारोह में नेहपाल सिंह वर्मा की पुस्तक श्रृंखला 'कवियों के ख़ाके' (भाग-3) का लोकार्पण तथा पंचम कवि सम्मेलन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद करेंगे। भोपाल के प्रसिद्ध गीतकार पुरुषोत्तम तिवारी 'साहित्यार्थी' पुस्तक का लोकार्पण करेंगे। डॉ. राजनारायण अवस्थी पुस्तक की साहित्यिक विशेषताओं पर विचार व्यक्त करेंगे। कवि सम्मेलन में हैदराबाद एवं सिकंदराबाद के आमंत्रित कवि अपनी रचनाओं का पाठ कर दिवंगत साहित्यकार को काव्यांजलि अर्पित करेंगे। संचालन गोविंद अक्षय करेंगे।

इस अवसर पर अतिथियों एवं कवियों को स्मृति-चिह्न और पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। आयोजन में साहित्यप्रेमियों से भाग लेने की अपील की गई है।

सूर्य-साधना है छठ-व्रत





सृष्टि के प्रत्येक प्राणियों के जीवन स्रोत सूर्य हैं। दरअसल, सूर्य की साधना से ही आध्यात्मिक ऊर्जा की तलाश पूरी होती है। इसलिए सूर्य-उपासना का प्रतीक छठ-व्रत है। आइए, हम सभी छठ व्रत के अवसर पर सूर्य-वंदना करें और जीवन प्रदान करने के लिए उन्हें सादर अर्घ्य समर्पित करें।

सूर्यदेव को संध्याकाल में जल और दूध का अर्घ्य समर्पित किया जाता है। कार्तिक शुक्ल षष्ठी को संपन्न होने वाला सूर्य-षष्ठी व्रत, अथवा छठ उत्तर-भारत सहित देश के अन्य कई भागों में मनाया जाता है। वास्तव में, सूर्य को समर्पित यह व्रत सूर्य-साधना का ही स्वरूप है। छठ के अवसर पर भगवान सूर्य के प्रति श्रद्धालुओं की श्रद्धा और खुशी देखते ही बनती है। सच तो यह है कि पूर्व-वैदिक काल में ही सूर्य पूजा के प्रमाण मिलते हैं। वैदिक युग में जिन देवताओं को सर्वाधिक महत्व मिला, उनमें सूर्य, अग्नि और इंद्र प्रधान हैं। सूर्य के बिना अग्नि और इन्द्र का भी महत्व कम हो जाता है।

पालनकर्ता हैं सूर्य

सूर्य स्वयं एक जलता हुआ आग का गोला हैं। सूर्य के समक्ष अग्नि कुछ भी नहीं है। ऐसी मान्यता है कि वर्षा के देवता इंद्र हैं, लेकिन सूर्य अपनी किरणों से जल खींचकर उसे मेघ में परिवर्तित करते हैं, तभी पृथ्वी पर वर्षा संभव होती है।

इस प्रकार सूर्य देवताओं के देवता हैं, अत: अध्यात्म के प्राण हैं। चूंकि अन्य देवता अदृश्य हैं, इसलिए उनके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न भी लगाया जा सकता है। सूर्य प्रत्यक्ष देवता हैं, जो सम्पूर्ण जगत के पालनकर्ता हैं। इसको नकारना असंभव है। इसलिए वेदों में सूर्य को चर-अचर सभी पदार्थो की आत्मा माना गया है--सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च।

स्फूर्तिदायक हैं सूर्य

सूर्य हमारे पोषक ही नहीं हैं, बल्कि कई रोगों के नाशक भी हैं। ऋग्वेद में सूर्य की स्तुति करते हुए उनकी कई विशेषताओं के बारे में बताया गया है। हे सूर्य आप जिस ज्योति से अंधकार को नष्ट करते हैं तथा समस्त संसार में स्फूर्ति उत्पन्न करते हैं, उसी से हमारे समग्र अन्नों के अभाव, यज्ञों के अभाव, रोग तथा दु:स्वप्नों के कु-प्रभाव को दूर कीजिए।

अथर्ववेद के अनुसार, सूर्य हमारी आंखों के अधिपति हैं, वे हमारे रक्षक हैं। [अथर्व--5/24/9] गीता में भगवान श्रीकृष्ण को सूर्य बताया गया है। जब स्वयं ईश्वर सूर्य के पर्याय हो गए, तो सूर्य-साधना की आध्यात्मिकता सहज ही समझी जा सकती है।

पूरी शुद्धता जरूरी

छठ पूजा के दौरान भगवान सूर्य की साधना की जाती है। दरअसल, सूर्य-षष्ठी व्रत में चार दिन लग जाते हैं। इन चार दिनों में व्रत करने वालों को पूरी शुद्धता बरतनी होती है। प्रथम दिन अर्थात् चतुर्थी को दोनों समय केवल कद्दू, अरवा चावल तथा चने की दाल तथा सेंधा नमक मिश्रित भोज्य पदार्थ ग्रहण करना होता है। ऐसी मान्यता है कि पंचमी के दिन अन्न तो दूर, जल भी ग्रहण नहीं किया जाता है।

सायंकाल स्न:काल से लेकर सप्तमी के प्रात:काल तक अर्थात् चौबीस घंटों तक जल की एक बूंद भी ग्रहण नहीं की जाती है। षष्ठी की संध्या में प्रथम अर्घ्य और सप्तमी की सुबह द्वितीय अर्घ्य अर्पित किया जाता है। इसके पश्चात् ही यह व्रत; प्रसाद ग्रहण कर तोड़ा जाता है। छठ व्रत मुख्यतया महिलाएं करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर पुरुष भी हर्षोल्लास के साथ छठ व्रत करते हैं। वास्तव में, यह व्रत मूलत: लोक व्रत है, अत: इससे सम्बन्धित अनेक लोक-कुछ पंक्तियां

केलवा जे फरला घवध से
ता ऊपर सुगा मड़राय।
तीरवा जो मरबो धनुष से
सुगा गिरे मुरछाय।

यह सच है कि गृहस्थ धर्म का पालन करने वाले अन्य साधना करने की स्थिति में नहीं होते हैं। इसलिए छठ व्रत के द्वारा ही वे आध्यात्मिक साधना कर संतुष्टि-लाभ प्राप्त करते हैं। कहते हैं कि सूर्य की साधना करने वाले अपनी चेतना को जाग्रत कर लेते हैं, जिससे कि सूर्य से एकाकार होने की अनुभूति प्राप्त करने में वे सफल हो जाते हैं। उर्जा के स्रोत

सूर्य आध्यात्मिक ऊर्जा के सर्वोच्च स्रोत माने जाते हैं। छठ व्रत की वैज्ञानिकता पूरी तरह सिद्ध हो चुकी है। यह सर्व ज्ञात है कि जल सभी पदार्थो की तुलना में ऊर्जा ग्रहण करने में सबसे आगे होता है। बिजली का जरा-सा करेंट लगने से ही सरोवर-भरा जल झटका देने लगता है।

इस पर्व में सूर्य को अर्घ्य कमर तक जल में खड़े होकर दिया जाता है। सच तो यह है कि साधक लंबे समय तक जल में मिश्रित सूर्य की किरणों की आध्यात्मिक ऊर्जा को ग्रहण करता रहता है। कई व्रतधारी तो अपराह्न दो बजे से ही जल में खड़े रहकर सूर्य-साधना करते हैं।

यह भी वैज्ञानिक तथ्य है कि सूर्य की किरणें जब जल को स्पर्श करती हैं, तो जल से एक विशेष प्रकार की किरणें निकलती हैं, जो कि शरीर के अंग-प्रत्यंग के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। यही वजह है कि आज छठ- व्रत बिहार, पूर्वी उत्तर-प्रदेश की सीमा लांघकर दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल सहित देश के अन्य कई भागों तक पहुंच चुका है।

राम-सीता ने भी किया छठ का पर्व



ऐसी मान्यता है कि लंका विजय के पश्चात चौदह वर्ष के वनवास की अवधि पूरी कर मर्यादा पुरुषोत्तम राम दीपावली के दिन अयोध्या लौटे थे। अपने चहेते राजा राम और लक्ष्मीरूपी सीता पाकर अयोध्या धन्य हो गई थी। राज्यभर में घी के दीए जलाए गए थे।

राम के राज्याभिषेक के बाद रामराज्य की स्थापना का संकल्प लेकर राम और सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को उपवास रखकर प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य की आराधना की थी और सप्तमी को सूर्योदय के समय अपने अनुष्ठान को पूर्ण कर प्रभु से रामराज्य की स्थापना का आशीर्वाद प्राप्त किया था। तब से छठ का पर्व लोकप्रिय हो गया।

सूर्य षष्ठी का उपवास करने वाले साधक कार्तिक शुक्ल चतुर्थी की शाम को लौकी की सब्जी और रोटी का पारण कर उपवास प्रारंभ करते हैं। इसे खरना अथवा संझवत कहा जाता है। 24 घंटे के उपरांत पंचमी तिथि को गुड़ से बनी खीर और रोटी का भोग लगाते हैं।

तब से मुख्य पर्व छठ का उपवास प्रारंभ होता है। 24 घंटे निर्जल उपवास रहकर षष्ठी को अस्ताचल सूर्य की अभ्यर्थना जल में खड़े होकर की जाती है तथा लगातार लगभग 36 घंटे के निर्जल उपवास के बाद सप्तमी को सूर्योदय का पूजन-अर्चन करके त्योहार पूर्ण होता है।

पंचमी के दिन शुद्ध घी और गुड़ से पकवान बनाया जाता है जिसे ठेकुआ के नाम से जाना जाता है। बांस की टोकनी में प्रति साधक एक-एक कलसूप रखा जाता है जिसमें उपलब्ध सभी प्रकार के फूल, फल, सब्जी आदि सजाए जाते हैं। घी के दीए रखकर पूजा की टोकरी सर-माथे रखकर घाट पर ले जाना बड़े ही सौभाग्य की बात मानी जाती है।

सूर्य साधक के परिवार का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छ परिधान में, नंगे पैर, सिर पर पूजा की टोकरी लिए हुए घाट पर जाते हुए बड़े ही अद्भुत प्रतीत होते हैं। बड़े शहरों में जगह-जगह पर कुंड या हौदनुमा घाट का निर्माण किया जाता है और जल से भरे हुए कुंड में गंगा जल डालकर मान लिया जाता है कि पतित पावन गंगा यही है।

दूर-दराज में नौकरी करने वाले लोग छठ पूजा में सम्मिलित होने के लिए अवकाश लेकर आते हैं। उल्लास में इसी दिन निर्मित गंगा घाट के आसपास पतंग उड़ाने की परंपरा है और पटाखे फोड़कर अपने हर्ष का प्रदर्शन किया जाता है। छठ का प्रसाद बांटना और पाना सौभाग्य की बात मानी जाती है।

छठ पर्व पर लोकगीत की परंपरा = -

वैसे तो हर तीज-त्योहार पर लोकगीतों की परंपरा रही है किंतु छठ पर्व पर विशेष धुन और विशिष्ट अंदाज में लोकगीत गाने की परंपरा है। महिलाएं समूह में लोकगीत गाते हुए चलती हैं यथा =

कांचे ही बास के बहगिया।
बंहगी लचकत जाय।
बाट जे पूछेला बटोहिया।
इ दल केकरा के जाय।
आन्हर होइहे रे बटोहिया
इ सूरूज बाबा के जाय।
इ आदित बाबा के जाय।

वास्तुदोष निवारण के आसान उपाय

- अपने घर के उत्तरकोण में तुलसी का पौधा लगाएं।
- हल्दी को जल में घोलकर एक पान के पत्ते की सहायता से अपने सम्पूर्ण घर में छिडकाव करें। इससे घर में लक्ष्मी का वास तथा शांति भी बनी रहती है.
- अपने घर के मन्दिर में घी का एक दीपक नियमित जलाएं तथा शंख की ध्वनि तीन बार सुबह और शाम के समय करने से नकारात्मक ऊर्जा घर से बहार निकलती ह।
- घर में सफाई हेतु रखी झाड़ू को रस्ते के पास नहीं रखें। यदि झाड़ू के बार-बार पैर का स्पर्थ होता है, तो यह धन-नाश का कारण होता ह। झाड़ू के ऊपर कोई वजनदार वास्तु भी नहीं रखें।
- अपने घर में दीवारों पर सुन्दर, हरियाली से युक्त और मन को प्रसन्न करने वाले चित्र लगाए। इससे घर के मुखिया को होने वाली मानसिक परेशानियों से निजात मिलती है।
- वास्तुदोष के कारण यदि घर में किसी सदस्य को रात में नींद नहीं आती या स्वभाव चिडचिडा रहता हो, तो उसे दक्षिण दिशा की तरफ सिर करके शयन कराएं। इससे उसके स्वभाव में बदलाव होगा और अनिद्रा की स्थिति में भी सुधार होगा।
- अपने घर के ईशान कोण को साफ सुथरा और खुला रखें। इससे घर में शुभत्व की वृद्धि होती ह।
- अपने घर के मन्दिर में देवी-देवताओं पर चढ़ाए गए पुष्प-हार दूसरे दिन हटा देने चाहिए और भगवान को नए पुष्प-हार अर्पित करने चाहिए।
- घर के उत्तर-पूर्व में कभी भी कचरा इकट्ठा न होने दें और न ही इधर भारी मशीनरी रख।
- अपने वंश की उन्नति के लिये घर के मुख्यद्वार पर अशोक के वृक्ष दोनों तरफलगाए।
- यदि आपके मकान में उत्तर दिशा में स्टोररूम है, तो उसे यहाँ से हटा द। इस स्टोररूम को अपने घर के पश्चिम भाग या नैऋत्य कोण में स्थापित करें।
- घर में उत्पन्न वास्तुदोष घर के मुखिया को कष्टदायक होते ह। इसके निवारण के लिये घर के मुखिया को सात मुखी रूद्राक्ष धारण करना चाहिए.
- यदि आपके घर का मुख्य द्वार दक्षिणमुखी है, तो यह भी मुखिया के के लिये हानिकारक होता ह। इसके लिये मुख्यद्वार पर श्वेतार्क गणपति की स्थापना करनी चाहिए।
- अपने घर के पूजा घर में देवताओं के चित्र भूलकर भी आमने-सामने नहीं रखने चाहिए इससे बड़ा दोष उत्पन्न होता ह।
- अपने घर में ईशान कोण अथवा ब्रह्मस्थल में स्फटिक श्रीयंत्र की शुभ मुहूर्त में स्थापना करें। यह यन्त्र लक्ष्मी प्रदायक भी होता ही है, साथ ही साथ घर में स्थित वास्तुदोषों का भी निवारण करता ह।
- घर में किसी भी कमरे में सूखे हुए पुष्प नहीं रखने द। यदि छोटे गुलदस्ते में रखे हुए फूल सूख जाएं, तो उस्मे नए पुष्प लगा दें और सूखे पुष्पों को निकालकर बाहर फेंक दें।
- सुबह के समय थोड़ी देर तक निरंतर बजने वाली गायत्री मंत्र की धुन चलने द। इसके अतिरिक्त कोई अन्य धुन भी आप बजा सकते ह।



रोशनी छीन सकता है आईलाइनर लगाने का गलत तरीका

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। छोटी आंखें भी आईलाइनर लगा लेने भरी से और खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। लगत तरीके से आईलाइनर नगाने से न सिर्फ मेकअप खराब होता है, बल्कि आपकी आंखों को काफी नुकसान पंहुचा सकता है। आई एंड कांटेक्ट लेंस जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार यदि लैश लाइन की रेखा के भीतर आईलाइनर लगाया जाए तो ये नजर को धुंधला कर सकता है।

मोटे होने का सपना हुआ साकार

कहते है मोटापा हर किसी को परेशान करता है, लेकिन इस महिला का सपना ही था की वे मोटी हो जाए, दरअसल इस महिला का सपना था की वे दुनिया की सबसे मोटी महिला बने, जिसके चलते इस महिला ने 721 किलो का वजन बढाकर खुद के लिए एक नई मुसीबत पैदा कर ली क्यूंकि इस महिला ने 10 साल तक हर दिन 13,000 कैलोरी खाकर खुद का वजन बड़ा लिया, जिससे इनका ब्रेकअप हो गया।

पास्ता खाने का शौक बना सकता है डिप्रेशन का मरीज

अगर आप पास्ता खाने के शौकीन हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है क्योंकि पास्ता खाने से आप डिप्रेशन के मरीज बन सकते है। जी हां, ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकता है। एक रिसर्च के मुताबिक चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं, पर इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं।



क्या है गोलगप्पे की असलियत?



गोलगप्पे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। चटाखेदार मसाला पानी, उबले आलू मटर से भरे गोल-गोल गोलगप्पों को बच्चे से लेकर बड़े सभी बहुत शौक से खाते हैं। चटपटे पानी से भरे इन गोलगप्पों को हर अवसर के मेन्यू में शामिल किया जाता है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसे ज्यादा मात्रा में लेने से आपके शरीर का पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है यह सूजी से भी बनाएं जाते है और आटे से भी। ये जायकेदार गोलगप्पे भारत के कई राज्यों में खाए जाते हैं और इन्हें हर जगह अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है।

गोलगप्पे के अलग-अलग नाम

दिल्ली शहर मे बिना सूजी के गोलगप्पे खाए और बिना चटपटा पानी पिए खरीददारी अधूरी लगती है। वहीं यह मुंबई में पानी पुरी के नाम से जाने जाते है और कोलकाता मे फुचके। इसके अलावा गुजरात के कुछ हिस्सों में इन्हें पकौड़ी भी कहा जाता है। यहां इसमें सेव और प्याज भी डाली जाती है। इसका पानी पुदीना और हरी मिर्च के पेस्ट से तैयार किया जाता है जो गाढ़ा होता है। चटक मसाले वाला पानी गोलगप्पे में डाल कर खाने का मजा ही कुछ और है लेकिन इसको बनाने की विधि शायद आप नहीं जानते हों। लेकिन आज हम आपको इसके बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसको देखकर शायद आप गोलगप्पे खाना छोड़ दें और आपके मुंह में जो गोलगप्पों को देखकर पानी आ जाता है वह भी आना बंद हो जाएगा।



गोलगप्पे बनाने का गलत तरीका

जी हां गोलगप्पों के पीछे छिपी एक ऐसी सच्चाई जो अगर आपको पता चल जाए तो शायद आप अगली बार गोल गप्पे खाने की हिम्मत न कर सकें। और ऐसा देखकर ये तो पक्का है कि आपके मुंह में पानी नही आएगा लेकिन हां उबकाई जरूर आ सकती है। तो देर किस बात की आइए जानें क्या है वह सच्चाई। दरअसल हर गली मोहल्ले में बिकने वाले इस स्वादिष्ट गोलगप्पे को जिस आटे से तैयार किया जाता है उसे गूंथने के लिए काफी समय और मेहनत लगती है। इसे हाथों से गूंथना थोड़ा मुश्किल होता है इसलिए इसे बनाने वाले कारीगर इसे जमीन पर रखकर पैरों से गूंथते हैं। साथ ही गोलगप्पों का लजीज स्वाद आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। डीप फ्राई की हुई ये पूरियां आपके लिए पूरी तरह से हानिकारक हैं। क्योंकि इन्हें तलने के लिए बार-बार एक ही तेल का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसकी चटनी और पानी आपको पेट के लिए हानिकारक होते हैं। क्यों अब क्या कहना है आपका इन गोलगप्पों के बारे में! जी हां, आप इसे कितना भी साफ सुथरा मान लें लेकिन यह उतना साफ होता नहीं है। तो देर न करें बल्कि अपने परिवार के लोगों और दोस्तों के साथ भी इस जानकारी को शेयर करें, क्योंकि जिसे आप अच्छा समझ कर खा रहे हैं वह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।



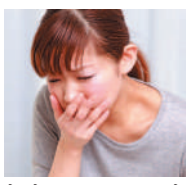
ज्यादा डकार आना गंभीर बीमारियों का संकेत

जिस प्रकार हम सामान्य रूप से हवा अंदर लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। यह एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि खाया गया भोजन हजम हो जाने का डकार एक संकेत होता है। वास्तविकता में ऐसा नहीं है, जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार आए इसका मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है, और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि। लेकिन अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा -

ऐरोफेजिया होने पर

अकसर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

बदहजमी की समस्या



जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाज़मा खराब होना, जिसे हम बदहज़मी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कराण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित व बड़ा बदलाव या तनाव का बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।



जीइआरडी

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी से आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूट पाईप)में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खानपान और जीवनशैली में कई सकारात्मक व स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।



पेप्टिक अल्सर



इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ व दस्त आदि हो सकते हैं। साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी हो सकता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच.पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।



अचानक कॉफी पीना बंद करने से बढ़ती है निगेटिविटी

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कॉफी, डायबटीज, कैंसर और कई गंभीर बीमारियों को होने से बचाती है। कॉफी में एल्कॉयड होता है जिसकी वजह से ब्रेन सक्रिय रूप से कार्य करता है। एक कप कॉफी को सुबह-सुबह पीने के बाद आपको अच्छा महसूस होता होगा, फ्रैश लगता होगा। कई लोगों को दिन में कई बार या दो बार कॉफी पीने की आदत भी होती है। पर तब क्या होता है जब आप अचानक से कॉफी पीना बंद कर देती हैं या देते हैं, तब शरीर कैसे रिएक्ट करता है।

जब आप लम्बे समय तक कॉफी का सेवन करते आ रहे होते हैं और अचानक से उसे पीना छोड़ देते हैं, तो आपका शरीर एक असंतुलन महसूस करता है। इस वजह से उन दिनों आलस बना रहता है और दिन भर बोझिलता सी महसूस होती है। साथ ही व्यक्ति की प्रोडक्टिविटी भी कम हो जाती है। आप किसी प्रकार अपने दैनिक कार्यों को करने लग जाएंगे, लेकिन आपकी मानसिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने लगेगा। आपको लगेगा कि अब आप पहले की तरह फास्ट तरीके से नहीं सोच पाते हैं। साथ ही आपको अपनी ऊर्जा में भी गिरावट महसूस होगी। बेहतर होगा कि आप उस समय मीठे फल अवश्य खाएं। ऐसे में एकदम कॉफी न छोड़ें। रात को सोते समय चाहें तो कॉफी पी लें। हर्बल टी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इससे आपको रिलैक्स महसूस होगा और नींद भी अच्छी आएगी। साथ ही आप खुद को ऊर्जावान भी महसूस करेंगे।

जानें क्यों लगती है बार-बार भूख...

> अपने मनपसंद खाने को देखकर किसी का भी मन ललचा सकता है। और कभी-कभी अगर ज्यादा खा भी लिया जाए तो कोई बात नहीं, लेकिन अगर यह आदत बन जाए तो फिर आपको बार-बार भूख लगती है जो आपके लिए अच्छा नही हैं।



मेडिकल भाषा में बार-बार भूख लगने को फूड एडिक्शन कहते हैं। रोजाना जरूरत से ज्यादा खाने को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। फूड एडिक्शन एक तरह का इटिंग डिसऑर्डर है। इसमें लोगो को बार-बार भूख लगती है। हालांकि ज्यादातर लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन इस पर अगर कंट्रोल न किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

बिना भूख के खाना: बार-बार खाने की आदत होने पर व्यक्ति खाता ही चला जाता है। वह खाने पर पूरी तरह कंट्रोल खो बैठता है। बिना भूख के भी थोड़े-थोड़े समय के बाद वह खाना खाता ही रहता है। उसे भरा हुआ पेट अच्छा लगने लगता है। पहले का खाना थोड़ा सा डाइजेस्ट होते ही वह दोबारा खा लेता है। कई बार तो वह खाना डाइजेस्ट होने का इंतजार भी नही करता और दोबारा खा लेता है।



एनर्जी लेवल: फूड एडिक्शन की एक खास वजह न्यूरोबायलॉजिकल इम्बैलेंस है। एक बार इसका लेवल बॉडी में गिरता है, तो व्यक्ति को कमजोरी महसूस होती है। वह फिर से खाना शुरू कर देता और फिर उसे बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए हमेशा खाना पड़ता है। हालांकि, बार-बार खाने वाला व्यक्ति अपनी इस आदत से गिल्ट महसूस करता रहता है, लेकिन सिचुएशन ऐसी बन जाती है कि वह चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता।

वजन बढ़ना व मोटापा: फूड एडिक्शन से वजन बढ़ना व मोटापा होता है। वजन बढ़ने से कई और बीमारियां आपको जकड़ लेती है। जैसे शरीर की काम करने की क्षमता कम हो जाती है और आप जल्दी थकने लगते हैं।

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना: वह न चाहते हुए भी कई चीजें ऐसी ज्यादा खा लेता है जिनके ज्यादा खाने से कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ जाता है और इससे दिल का दौरा, हृदयघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लीक से हटकर करियर के बहुत सारे ऐसे विकल्प भी होते हैं, जहां अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा का ज्ञान फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको नई भाषाएं सीखना पसंद हैं, तो आप विदेशी भाषाओं को सीखकर उनमें अपना करियर बना सकते हैं। आज भारत के विभिन्न देशों से बढ़ते व्यापारिक एवं पर्यटन संबंधों ने देश के युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य का रास्ता खोल दिया है। वैश्विक परिदृश्य में लगातार भारत में विदेशियों की आवाजाही बढ़ी है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते वैश्वीकरण के चलते भारत में विदेशों से बहुत काम आ रहा है। इसके लिए कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें विदेशी भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो। किसी भी भाषा का पुख्ता ज्ञान आपकी सफलता में सहायक सिद्ध हो सकता है। अब यह पुरानी बात हो गई कि जब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में ही करियर बनाया जा सकता था। जर्मन, चाइनीज, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी भाषाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी मांग रहती है। किसी भी विदेशी भाषा का कोर्स करने के लिए किसी खास विषय या स्ट्रीम से जुड़े होने की बाध्यता नहीं है।

अवसरों का खजाना

इस क्षेत्र में कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें टूअर आपरेटर ऑनलाइन विषय लेखक, तकनीकी ट्रांसलेटर, डिकोडर, इंटरप्रेटर एवं ट्रांसलेटर आते हैं। विदेशी भाषाओं में शैक्षिक योग्यता टूरिज्म, मनोरंजन, जनसंपर्क एवं अन्य जनसंचार माध्यम, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, एंबेसी, डिप्लोमेटिक सेवाएं, प्रकाशन और बीपीओ क्षेत्रों में करियर बनाने में महत्त्वपूर्ण साबित होती है। टूरिज्म एवं कॉल सेंटर ऐसे क्षेत्र हैं जहां विदेशी भाषा के कुशल ज्ञान ने करियर के नए आयाम विकसित किए हैं। सरकारी कामों में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी के अलावा पश्तो, उज्बेक, ताजिक और पुर्तगाली जानने वालों की भी आजकल काफी मांग है। अनुवादक एवं दुभाषिए से संबंधित नौकरियों के अलावा सचिव, एग्जीक्यूटिव और जनसंपर्क में भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कोर्स के लिए योग्यता

इस कोर्स के लिए 12वीं होना अनिवार्य है । अलग-अलग संस्थान के लिए सीमाएं अलग-अलग है। प्रवेश परीक्षा से लेकर किसी में कट ऑफ लिस्ट या फिर सीधे दाखिले का भी चयन है। कई छात्रों का मानना है कि अगर उनकी अंग्रेजी अच्छी है तभी वे इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं लेकिन ऐसा सोचना गलत है। अगर आप हिंदी भाषा में निपुण हैं तो भी आप विदेशी भाषा को सहजता से सीख सकते हैं। बस आपकी किसी भी एक भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है और आपकी बातचीत का अंदाज अच्छा होना चाहिए ।

काम के हिसाब से वेतन

इस क्षेत्र में वेतन कार्य के हिसाब से मिलता है। अगर आप शिक्षण के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं, तो 25 से 30 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। ट्रांसलेटर को 100 से 150 रुपए प्रति पेज के हिसाब से मिलते हैं। इंटरप्रेटर को घंटों के



विदेशी

भाषा में खास करियर



हिसाब से मेहनताना मिलता है। सरकारी संस्थानों में इंटरप्रेटर को 20 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। विदेशी भाषा में करियर बनाने का अलग ही आनंद और आकर्षण है। विदेशी भाषा जानने से आप उस देश की संस्कृति और रहन-सहन से भी परिचित होते हैं। विदेशी भाषा के ज्ञान द्वारा उस देश के बारे में जानने का अवसर मिलता है। और तो और आपके विदेश जाने के अवसर बढ़ जाते हैं। विदेशी भाषा को सीखने के बाद सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप कभी काम की कमी महसूस नहीं करेंगे। कोई भी कंपनी आपको हाथोंहाथ काम देगी।



डिग्री के साथ संवाद क्षमता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिग्री के साथ-साथ संवाद की बेहतर क्षमता का होना जरूरी है। इसके लिए भाषा और संस्कृति का ज्ञान आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के व्यवसाय का विस्तार होने से मांग बढ़ेगी। तकनीकी और फार्मास्यूटिकल कंपनियां, कार कंपनियां सभी जगह विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है।

प्रमुख संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जेएनयूए नई दिल्ली
- आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
- बीएचयू, वाराणसी
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा
- पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

तीन तरह के कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स	अवधि दो साल
डिप्लोमा कोर्स	अवधि दो साल
डिग्री कोर्स	अवधि तीन साल

- बहुत से संस्थानों में बेसिक लेवल और एडवांस्ड लेवल दोनों ही कोर्स करवाए जाते हैं।
- इनमें स्नातकोत्तर डिग्री भी ली जा सकती है।

किस भाषा का है चलन

यूं तो विदेशी भाषा में कई भाषाएं शामिल हैं, जिनमें जापानी, अरैबिक, चाइनीज, स्पेनिश आदि शामिल हैं लेकिन अधिक चलन फ्रेंच और जर्मन भाषा सीखने का है । कई संस्थान ऐसे भी हैं जो केवल फ्रेंच या जर्मन भाषा ही सिखाते हैं और आप यहां से डिप्लोमा से लेकर एडवांस डिप्लोमा, डिग्री और चाहें तो मास्टर्स भी कर सकते हैं। इन भाषाओं में कोर्स करने के बाद आपके सामने रोजगार का खुला आसमान होता है।





रेसिपी



मुह्हामर्रा

सामग्री

3/4 कप कटे हुए अखरोट, 1 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 3/4 कप ताज़े ब्रेड क्रम्ब्स, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून अनार के दाने, 5 टेबल-स्पून जैतून का तेल, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** हर्बड पीटा स्ट्रिप्स

विधि

सूखी लाल मिर्च को उपयुक्त मात्रा के गरम पानी में डालकर एक बाउल में रखें, ढक्कन से ढककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। अच्छी तरह छान लें। लाल मिर्च के साथ, सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रखकर, हर्बड पीटा स्ट्रिप्स् के साथ ठंडा परोसें।



नाचनी पनीर पॅनकेक

सामग्री

1 कप रागी/नाचनी का आटा, 1/2 कप कसा हुआ लो-फैट पनीर, 2 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून तिल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/4 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून अदरक का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, **चुपड़ने और पकाने के लिए:** 2 1/2 टी-स्पून तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में लगभग 1 कप पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करे और द टी-सपून तेल से चुपड़ लें चम्मच भर घोल डालकर गोल घुमाते हुए 125 मिमी (5) व्यास के आकार का पॅनकेक बना लें। द टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

क्या आप जानते हो

जापान ने बनाया सबसे तेज कंप्यूटर



टोक्यो। एक जापानी सुपर कंप्यूटर ने एक सेकंड में 10 हजार खरब कैलकुलेशन कर दुनिया की सबसे तेज मशीन का दर्जा पा लिया है। के कंप्यूटर ने अक्टूबर में बने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। तब यह एक सेकंड में 8 हजार खरब की गणना एक सेकंड में करता था।

फूजित्सु की कंपनी रिकेन ने यह सुपर कंप्यूटर बनाया है। कंपनी के निदेशक योंजी नोयोरी ने बताया कि के कंप्यूटर में 88 हजार से ज्यादा प्रोसेसिंग यूनिट लगे हुए हैं। सामान्य कंप्यूटर में सिर्फ 4 प्रोसेसर लगते हैं। इस वजह से सुपर कंप्यूटर सामान्य कंप्यूटर से 10 हजार गुना तेजी से काम करता है। भूकंपीय तरंगों और सुनामी लहरों के इमारतों पर प्रभाव जांचने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है।

पहले फोटो लें, बाद में करें फोकस

अब अगर आप फोटो लेने के बाद उसके किसी भी हिस्से को फोकस कर पाएंगे। यह संभव हो पाएगा आधुनिक तकनीक वाले लिट्रो कैमरे से।

यह कैमरा एक बार में व्यक्ति की हर संभावित फोटो खींच लेता है। इस कैमरे में सिर्फदो बटन है। ऑन ऑफ और शटर बटन। इस कैमरे से फोकस रिंग और ऑटो फोकस के बिना ही इमेज को फोकस किया जा सकेगा। लिट्रो कैमरे से ली गई किसी भी फोटो को आप अपने कंप्यूटर और टेबलेट पर डालकर सिर्फ छूने भर से फोकस कर पाएंगे। यह आधुनिकतम कैमरा संभवत: इस साल के अंत तक बाजार में उपलब्ध होगा।

ऐसे करता है काम

कैमरे से फोटो लेते वक्त इसमें लगे कई लैंस रोशनी को अवशोषित कर लेते हैं। इसमें लगे सेंसर हर संभावित कोण से इमेज स्टोर कर लेते हैं। जिसमें कलर, लोकेशन यहां तक की कैमरे पर पड़ रही रोशनी की दिशा तक स्टोर हो जाती है। कैमरे में लगे सॉफ्टवेयर से इमेज को बिना कन्वर्जन के थ्री डी लुक भी दिया जा सकेगा। इस तकनीक के लिए सिलिकॉन वैली की कंपनी ने 245 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। कैमरे की कीमत 399 डॉलर (लगभग 19 हजार) होगी।

धीमे काम करेगा कैमरा

लिट्रो के निर्माता को संदेह है कि इतनी सारी सूचना स्टोर करने पर हो सकता है कि कैमरे का रिजोल्यूशन कम हो। हो सकता है कि यह थौड़ा धीरे काम करे। वहीं लिट्रो के प्रतिद्वंदियों का कहना है कि अगर फोटो लेते वक्त हाथ हिल जाता है तो फोटो धुंधली हो सकती है। फोटो को सही फ्रेम से लेना जरूरी है।



राजा तरबूज की कहानी

किसी नगर के राजा ने एक दिन यह निश्चय किया कि वह एक भव्य तोरण द्वार का निर्माण करवाएगा और उसके नीचे से अपनी सवारी निकालकर प्रजा के सम्मुख गर्व से अपने वैभव का प्रदर्शन करेगा। जब वह गौरवदायी क्षण आया तो सब यह देखकर भौंचक्के रह गए कि राजा का मुकुट द्वार की मेहराब से टकरा कर गिर गया। दरअसल द्वार बहुत नीचा बना था। राजा को क्रोध आना तो लाजिमी था! उसने आदेश दिया कि निर्माण कार्य करवाने वाले ठेकेदार को सजा-ए-मौत दे दी जाये। जब ठेकेदार को फांसी के लिए ले जाने लगे तो उसने सबको बताया कि असली गलती निर्माण में लगे कारीगरों की थी जिन्होंने द्वार बनाने का सारा काम किया था।

राजा को न्याय करने की उतावली थी और उसने कारीगरों को तलब किया। कारीगरों ने सारा दोष ईंटें बनानेवाले पर डाल दिया कि उसने गलत आकार की ईंटें बनाईं। ईंटसाज ने कहा कि उसने तो बस द्वार का नक्शा बनानेवाले के निर्देशों के अनुसार काम किया था। नक्शा बनानेवाले ने यह कह दिया कि उसने निर्माण के अंतिम दौर में राजा द्वारा दिए गए कुछ सुझावों को कार्यान्वित किया जिनके परिणामस्वरूप द्वार नीचा बन गया।

'राज्य के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को बुलाओ!' राजा ने कहा 'यह निस्संदेह बड़ी जटिल समस्या है और हमें इसपर ज्ञानियों से परामर्श करना है!'

सैनिक राज्य के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को पकड़ कर ले आये। वह इतना बूढ़ा था कि अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। बूढ़ा होने के नाते ही वह सबसे अधिक बुद्धिमान भी था। अपनी कांपती आवाज



में उसने कहा 'इस समय की सबसे बड़ी मांग यह है कि दोषी को शीघ्र दंड दिया जाए और इस प्रकरण में मेरे अनुसार सबसे बड़ा दोषी और कोई नहीं बल्कि यह द्वार ही है।' बूढ़े के निर्णय की सराहना करते हुए राजा ने घोषणा की कि कसूरवार द्वार को ढहा कर नेस्तनाबूद कर दिया जाए। जब द्वार को गिराने की सारी तैयारियां पूरी हो गईं तो राजा के एक सलाहकार ने अपनी राय जाहिर करी कि द्वार को इस प्रकार अपमानपूर्वक नहीं गिराया जा सकता क्योंकि उसने राजा के पवित्र मस्तक को एक बार स्पर्श कर लिया है।

इस बीच द्वार को गिराने-न-गिराने की आपाधापी में बुद्धिमान बूढ़े ने अपनी आखिरी साँसें भर लीं। राजा के सलाहकार द्वारा दिए गए मत पर विमर्श करने के लिए राज्य में और कोई बुद्धिमान व्यक्ति नहीं बचा था। ऐसे में प्रमुख न्यायाधीश ने यह सुझाव दिया कि द्वार के निचले सिरे को सूली पर चढ़ा दिया जाए क्योंकि द्वार के केवल इसी हिस्से ने राजा के मस्तक को नहीं छुआ था। इस तरह द्वार का बाकी हिस्सा बच जाएगा। लेकिन जब जल्लादों ने द्वार के निचले हिस्से को फांसी के फंदे में लपेटने की कोशिश की तो यह पाया कि रस्सी छोटी पड़ गयी है। रस्सी बनानेवाले को बुलाया गया जिसने यह राय जाहिर करी कि फांसी का मचान ऊंचा बन गया था और सारी गलती बढ़ई की थी।

'लोग अपना सब्र खो रहे हैं!' राजा ने कहा 'हमें जल्द-से-जल्द किसी को ढूंढकर फांसी पर चढ़ाना होगा। अपराध और न्याय के मुद्दों की बारीकियों पर हम उचित समय आने पर विचार-विमर्श कर लेंगे।' बहुत थोड़े से ही समय में राज्य के सभी लोगों का कद सावधानीपूर्वक माप लिया गया लेकिन केवल एक ही आदमी फांसी के फंदे पर इतना सटीक बैठा कि उसे फांसी पर चढ़ाया जा सके। वह आदमी और कोई नहीं खुद राजा ही था। फंदे के आकार में सटीक बैठनेवाले आदमी के मिल जाने का जनता में ऐसा उत्साह था कि राजा को जनता की उपेक्षा करने का साहस नहीं हुआ और वह फांसी चढ़ गया।

'भगवान का शुक्र है कि हमें फांसी चढ़ाने के लिए कोई मिल गया' प्रधानमंत्री ने राहत की सांस लेते हुए कहा 'यदि हम इस मसले पर जनता की भावनाओं की परवाह नहीं करते तो राज्य में चहुँओर द्रोह की स्थिति निर्मित हो जाती।' अब प्रधानमंत्री के सामने दूसरा संकट मुंह बाए खड़ा था। सभी को यह लगने लगा कि अब उनका देश राजाहीन हो गया है और अतिशीघ्र नए राजा का चुनाव करना बहुत जरूरी है. राजपुरोहित ने कहा कि परंपरा के अनुसार राज्य के सीमा द्वार से प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति को ही नगर का राजा बनाया जायेगा। राज्य



के भीतर दाखिल होने वाला पहला व्यक्ति वज्रमूर्ख था. वह ऐसा आदमी नहीं था जिससे हम अक्सर राह-बेराह मिलते रहते हैं. जब उससे लोगों ने पूछा कि किसे राजा बनाया जाये तो उसने कहा 'तरबूज'। उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह हर सवाल का जवाब 'तरबूज' ही देता था। उसे तरबूज इतने पसंद थे कि उनके सिवाय उसके दिमाग में और कोई बात नहीं आती थी।

इस प्रकार एक तरबूज को भव्य समारोह में राजमुकुट पहनाकर सिंहासन पर बिठा दिया गया। यह सब तो बहुत-बहुत पहले हुआ था। आज जब उस देश के नागरिकों से लोग यह सवाल करते हैं कि उनका राजा तरबूज क्यों है तो वे कहते हैं 'यह हमारी मान्यता है कि महाराजाधिराज स्वयं तरबूज ही होना चाहते हैं। हम नागरिक भी तब तक उनकी इस इच्छा का सम्मान करेंगे जब तक वह कुछ और होने का आनंद नहीं उठाना चाहें। हमारे देश में राजा को वह होने का अधिकार है जो वह होना चाहते हैं। जब तक वे हमारे जीवन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करते तब तक हम उनके तरबूज होने से खुश हैं'।

शेर को मिली सजा



एक अय्यर ब्राह्मण घने वन से गुजर रहे थे। तभी उनकी नजर पिंजरे पर पड़ी। पिंजरे में एक शेर बंद था। शेर ने ब्राह्मण से विनती की-'आप मुझे पिंजरे से निकाल दें। भूख-प्यास से मेरी जान जा रही है। मैं कुछ खा-पीकर पुन: पिंजरे में लौट आऊँगा।' ब्राह्मण महाशय परेशान हो गए। यदि पिंजरा खोलते हैं तो शेर उन्हें खा सकता है। यदि नहीं खोलते हैं तो बेचारा पशु मारा जाएगा।

अंत में उनकी दयालुता की जीत हुई। उन्होंने पिंजरे का दरवाजा खोल दिया। शेर बाहर आते ही गरजकर बोला-'मूर्ख मनुष्य, तूने गलती की है। मैं तुझे ही खाऊँगा।' ब्राह्मण भय के कारण थर-थर काँपने लगा। परंतु मन-ही-मन वह बचने का उपाय भी सोच रहा था। जैसे ही शेर ने झपट्टा मारने की कोशिश की, ब्राह्मण ने हिम्मत बटोरकर काँपते स्वर में कहा- मुझे खाने से पहले चार लोगों से सलाह ले लो। यदि वे कहेंगे तो तुम मुझे खा लेना।

अब जंगल में चार लोग कहाँ से आते? चार जंगली जीवों से राय लेने का निश्चय हुआ। एक बूढ़ा-सा ऊँट सामने से गुजरा तो उससे राय पूछी गई। वह मुँह बिचकाकर बोला-'अरे ये इंसान कहीं दया के योग्य होते हैं? मेरे मालिक को ही देखो, मैं जवान था तो खूब काम करता था। अब शरीर में ताकत नहीं है तो वह मुझे डंडों से मारता है।' शेर की आँखें खुशी से चमकनें लगीं।

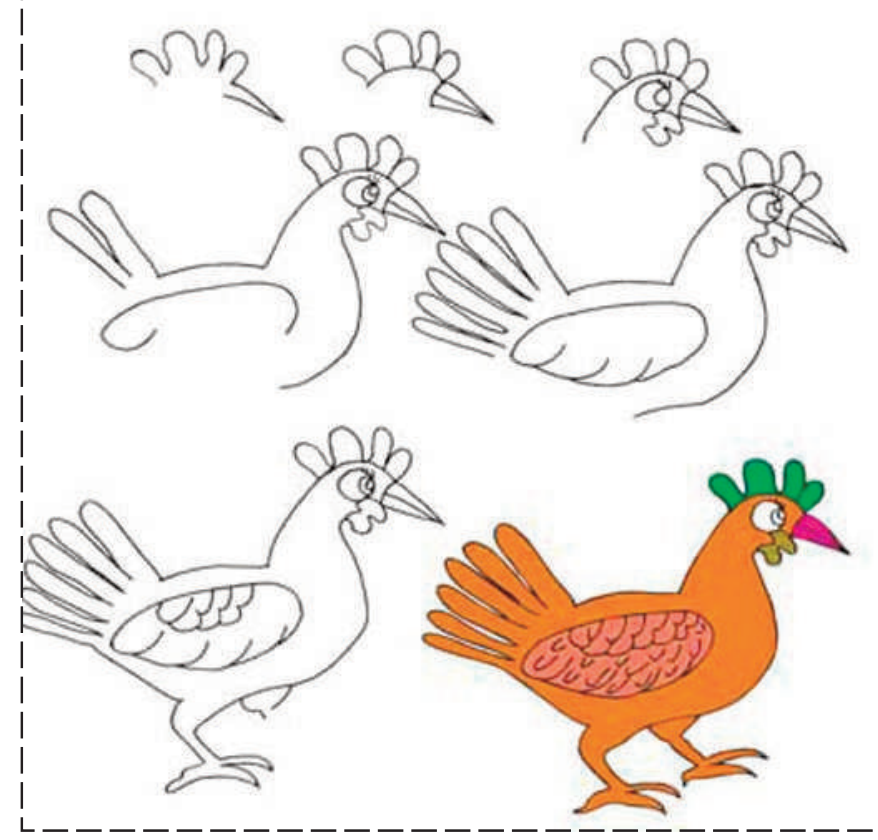
किंतु अभी तीन जजों की सलाह और लेनी थी। पास में ही बरगद का विशाल वृक्ष था। लंबी बाँहें फैलकर बोला-'मनुष्य बहुत लोभी होता है। सूरज की तपती धूप से मैं इसकी रक्षा करता हूँ। सारी दोपहर मेरी छाँव में बिताकर यह शाम को मेरी टहनियाँ काटकर ले जाता है। मेरी राय में तो सभी मनुष्यों को जान से मार देना चाहिए।' यह उत्तर सुनकर ब्राह्मण की आँखों के आगे अँधेरा छाने लगा। तभी ढेंचू-ढेंचू की आवाज सुनाई दी। ब्राह्मण को कुछ आशा बँधी। एक लँगड़ा गधा रेंकता हुआ उसी ओर आ रहा था। शेर ने उनसे भी प्रश्न किया। गधेराम तो पहले से ही जले-भुने बैठे थे। गुस्से से भरकर बोले-'देखो न, मैं दिन-भर मालिक का बोझा ढोता हूँ। मैं उफ तक नहीं करता। जो भी रूखा-मूखा मिल जाता है, वह खुशी से खा लेता हूँ पर आज.... । कहकर वह रोने लगा।'

शेर को गधे से क्या लेना-देना था? उसने अपना प्रश्न दुहराया, 'क्या ब्राह्मण को खा लूँ?'



गधे ने आँसू पोंछकर कहा-'अवश्य मेरे मित्र, इसे बिलकुल मत छोड़ना। इन मनुष्यों ने हमारी नाक में दम कर रखा है।'

अब एक ही पशु की राय और लेनी थी। एक लोमड़ी वहीं खड़ी होकर सब कुछ देख रही थी। वह पास आई और बोली-'फैसला तो मैं कर दूँगी पर पहले अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाओ। मुझे तो विश्वास ही नहीं होता कि इतना बड़ा शेर पिंजरे में कैसे समा गया? शेर ने जोश में आकर छलाँग लगाई और पिंजरे में जा पहुँचा। लोमड़ी ने झट से दरवाजा बंद कर दिया और ब्राह्मण से बोली, 'आप अपने घर जाएँ और जंगली पशुओं से बचकर रहें। इस शेर की हरकतों से तंग आकर ही इसे बंद किया गया था। आगे से बिना सोचे कोई काम मत करना।' ऐसा कहकर लोमड़ी जंगल में लौट गई। दुष्ट शेर ने पिंजरे में ही भूख-प्यास से दम तोड़ दिया। उसे उसके किए की सजा मिल गई थी।



हंसी के हसगुल्ले

पप्पू संता से: आज क्लास में टीचर ने एक ऐसा सवाल पूछा जिसका जवाब सिर्फ मेरे पास था...



संता: शाबाश मेरे स्मार्ट पुत्तर... क्या सवाल था?

पप्पू: ये ब्लैकबोर्ड किसने गीला किया?

संता एक टॉकीज में जुरासिक पार्क फिल्म देख रहा था।

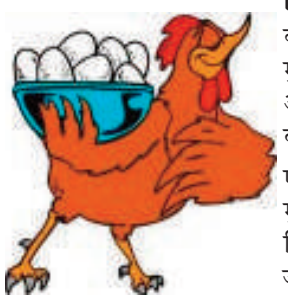
अचानक एक डायनासोर भागता हुआ दिखाई दिया।

संता उठा और टॉकीज के बाहर भाग आया।

बंता - क्या हुआ यार ये सिर्फ फिल्म ही तो है।

संता - यार तुझे पता है फिल्म है, मुझे पता है फिल्म है, डायनासोर को थोड़ी पता है फिल्म है।

एक पॉल्ट्री फार्म का मालिक अपनी मुर्गियों के द्वारा कम अंडे दिए जाने की वजह से परेशान था। एक दिन उसने सभी मुर्गियों को हुक्म दिया कि वे कल से ज्यादा अंडे दें।



मालिक : अगर तुम लोगों ने कल से दो-दो अंडे नहीं दिए, तो तुम्हारा दाना-पानी बंद हो जाएगा।

मुर्गियां डर गईं। सब ने दो-दो अंडे दिए, मगर एक ने सिर्फएक अंडा ही दिया।



मालिक: तुम ने एक अंडा ही दिया है? तुम्हें मेरा डर नहीं?

जवाब मिला : मालिक! ये आपके डर की वजह से दिया है। वरना मैं तो मुर्गा हूं।

जिज्ञासा

त्वचा क्यों होती है गोरी या काली?



आपने अलग-अलग देशों में रहने वाले लोगों के रंग में अंतर देखा होगा। और तो और हमारे अपने देश में ही अलग-अलग रंगों के लोग रहते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि त्वचा का रंग आखिर भिन्न क्यों होता है?

असल में मनुष्यों, प्राणियों व वनस्पती में विभिन्न प्रजातियों में अंतर उनके समय के साथ बदलते निवास के कारण पैदा हुआ है। वे स्थानीय वातावरण के अनुकूल रहन-सहन एवं भोजन आदि के कारण परिवर्तित होते गए। प्रमुख विभिन्ताओं में शारीरिक संरचना, बाल , त्वचा का रंग एवं चेहरे का आकार प्रमुख है। मानव जाति का विचरण पृथ्वी पर पर अन्य प्राणियों के मुकाबले ज्यादा विस्तृत है। किसी भी व्यक्ति की त्वचा का रंग उसके वातावरण के अनकूलन को प्रदर्शित करता है। गहरी भूरी अथवा काली त्वचा उन जगह के लिए उपयुक्त है, जहां सूर्य के किरणों की तीव्रता अधिक होती है, क्योंकि इस तरह की त्वचा नुकसानदायक परा बैंगनी किरणों द्वारा कैंसर के खतरे को रोकती हैं। कम चमकीले क्षेत्रों में यह उपाय आवश्य्क नहीं है, बल्कि ऐसे स्थानों पर गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण अवरुद्ध हो सकता है। इसलिय प्रारंभिक मनुष्यों के अफ्रीका से उत्तरी क्षेत्रों की और गमन के साथ ही उनके त्वचीय रंजक समाप्त होते गए एवं वे पीत वर्ण होते गए। ऊष्ण कटिबंधीय देशों में प्रकाश की अधिक्ता के बाद भी गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण होता है। आज लोग जनसामान्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक गमन करते रहते हैं एवं विभिन्न जातियों में विवाह के कारण यह विभेद अस्पष्ट होते जा रहे हैं।

अब कीड़े जैसा होगा 'रोबोट' का डिजाइन



पर्यावरण से उत्पन्न चुनौतियों का सामूहिक ढंग से सामना कर रहे कीटों से प्रेरणा लेकर वैज्ञानिक कम्प्यूटर, कृत्रिम बुद्धि एवं बीमारियों के निदान एवं दवा देने के लिए छोटे से रोबोट के निर्माण पर विचार कर रहे हैं। ऐसे ही एक शोध छात्र एडी शक्लार्श और उनके निरीक्षक तेल अवीव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एशेल बेन-जैकब ने विस्तार से बताया है कि कैसे कीड़े सूचनाएं ग्रहण कर वृद्धि का रास्ता तलाश करते हैं। शक्लार्श ने कहा कि बैक्टीरिया के अलावा भी कई जीव समूह में यात्रा करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान में बताया गया कि अविकसित संवेदकों के साथ ये साधारण जीव मानव ऊत्तक जैसे जटिल वातावरण में गति करने के लिए सुसज्जित नहीं होते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि बैक्टीरिया में जीवित रहने की ज्यादा क्षमता है और वह समूह में गति करने वाले जीवों अमीबा या मछली की तुलना में ज्यादा सरलता से कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं। बैक्टीरिया परमाणुविक, रासायनिक एवं यांत्रिक ढंग से संचार स्थापित करते हैं और मार्ग में आने वाली कठिनाई से निपटते हैं।

कविता

छीनकर खिलौनो को



छीनकर खिलौनो को बाँट दिये गम ।
बचपन से दूर बहुत दूर हुए हम ।
अच्छी तरह से अभी पढ़ना न आया कपड़ों को अपने बदलना न आया लाद दिए बस्ते हैं भारी-भरकम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हम । अँग्रेजी शब्दों का पढ़ना-पढ़ाना घर आके दिया हुआ काम निबटाना होमवर्क करने में निकल जाय दम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए । देकर के थपकी न माँ मुझे सुलाती दादी है अब नहीं कहानियाँ सुनाती बलख रही कैद बनी जीवन सरगम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए । इतने कठिन विषय कि छूटे पसीना रात भर किताबों को घोट-घोट पीना उस पर भी नम्बर आते हैं बहुत कम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए ।



पर्थ की शर्मनाक हार के बाद ब्रुक ने बल्लेबाजों का किया बचाव, बोले-हार से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा

इंग्लैंड के कप्तान को एडिलेड में वापसी की उम्मीद, रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा वनडे

एडिलेड

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में मिली करारी हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने अपने बल्लेबाजों का बचाव किया है। उन्होंने टीम से पर्थ की हार को पीछे छोड़कर अगले मुकाबले पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। ब्रुक ने कहा कि हार से अक्सर जीत के मुकाबले ज्यादा सीख मिलती है और टीम को जल्द इससे उबरना होगा।

आस्ट्रेलिया ने पर्थ के आप्टस स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे में इंग्लैंड को सात विकेट से हराया था। इंग्लैंड की टीम 33.4 ओवर में महज 131 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में आस्ट्रेलिया ने कप्तान मिचेल मार्श के 30 गेंदों पर बनाए गए 50 रनों की बदौलत केवल 23.3 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आस्ट्रेलिया ने 159 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की।

आस्ट्रेलिया के पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर छह विकेट झटके थे। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज हैरी ब्रुक और जो रूट भी टिक नहीं सके। एक समय इंग्लैंड का स्कोर आठ विकेट पर 65 रन हो गया था।

अफ्रीका में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में अब केवल 11 महीने शेष हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में 50 ओवर के मुकाबलों की संख्या सीमित होने के बावजूद इंग्लैंड इस सीरीज को काफी गंभीरता से ले रहा है। ऐसे में आस्ट्रेलिया की दूसरे दर्जे की गेंदबाजी आक्रमण के सामने पर्थ में मिली हार इंग्लैंड के लिए और भी निराशाजनक रही।

हार से सीख लेकर आगे बढ़ने की जरूरत : ब्रुक - रविवार को एडिलेड में होने वाले दूसरे वनडे से पहले शनिवार को ब्रुक ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि टीम को हार पर ज्यादा देर तक नहीं सोचना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस हार को लेकर बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहिए। आप अपनी हार से हमेशा बहुत कुछ सीखते हैं, शायद जीत के मुकाबले भी ज्यादा। आपको वापस जाकर पूरी टीम के रूप में बातचीत करनी होती है। खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से भी बात करनी चाहिए और इस मैच से जितनी सकारात्मक बातें सीखी जा सकती हैं, उन्हें लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट, खासकर सीमित ओवरों का क्रिकेट, बहुत तेजी से आगे बढ़ता है। इसलिए खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुसार जल्द आगे बढ़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सीरीज में वापसी का भरोसा - ब्रुक ने कहा कि पहले मुकाबले में मनचाहा परिणाम नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड अभी भी सीरीज में बना हुआ है। उन्होंने टीम के पिछले अनुभवों का हवाला देते हुए कहा कि इंग्लैंड पहले भी सीरीज में 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी कर जीत हासिल कर चुका है।

ब्रुक ने कहा, मैं जानता हूं कि हमें वह नतीजा नहीं मिला, जिसके लिए हम यहां आए थे, लेकिन हम अभी भी सीरीज में बने हुए हैं। सभी जानते हैं कि हम पहले भी ऐसी स्थिति में रहे हैं, जब सीरीज में 0-1 से पिछड़ने के बाद हमने वापसी करते हुए सीरीज जीती है। फिलहाल हमारा मुख्य लक्ष्य भी यही है। तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को एडिलेड में खेला जाएगा। इंग्लैंड की कोशिश इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में बराबरी हासिल करने की होगी, जबकि आस्ट्रेलिया की नजरें सीरीज अपने नाम करने पर रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

मेसी के संन्यास के बाद पहले मुकाबले में हारा अर्जेंटीना, उरुग्वे ने 2-1 से दी शिकस्त



ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास के बाद अपने पहले मुकाबले में अर्जेंटीना को हार का सामना करना पड़ा। खेले गए मैत्री मुकाबले में उरुग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जेंटीना की हार में डिफेंडर लियोनार्डो बालेरदी का आत्मघाती गोल और उरुग्वे के मिडफील्डर मैक्सी अराउजो का गोल निर्णायक साबित हुआ। उरुग्वे के नए मुख्य कोच डिएगो फोर्लान के नेतृत्व में टीम की यह तीसरी जीत है। दूसरी ओर, 2026 विश्व कप की उपविजेता अर्जेंटीना मेसी की गैरमौजूदगी में लंबे समय तक उरुग्वे की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रही। मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ की शुरुआत के तुरंत बाद हुआ। जार्जियन डी अरास्काएटा की बाईं ओर से आई फ्री-किक पर अर्जेंटीना के रक्षात्मक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। लिसांद्रो मार्टिनेज ने हेडर से गेंद को बाहर करने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके साथी खिलाड़ी बालेरदी से टकराकर अपने ही गोल में चली गई। इसके बाद 53वें मिनट में डी अरास्काएटा ने कार्नर किक से उरुग्वे की बढ़त दोगुनी कर दी। गेंद अराउजो के कंधे से टकराकर ऊंची उछली और गोलपोस्ट में पहुंच गई। अर्जेंटीना के लिए एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज ने 73वें मिनट में गोल कर वापसी की उम्मीद जगाई। इंजरी टाइम में भी उनके पास एक और अच्छा मौका आया, लेकिन उरुग्वे ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए मुकाबला 2-1 से जीत लिया।

16 नवंबर को बैटोग्राफी प्रदर्शनी में पेश किये जाएंगे सचिन के बल्ले



मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के खास बल्ले , जर्सी और हेलमेट सहित अन्य ऐतिहासिक धरोहरें 16 नवंबर को बैटोग्राफी नामक एक विशेष प्रदर्शनी में अनावरित की जाएंगी, जो क्रिकेट प्रेमियों को तेंदुलकर के अद्वितीय क्रिकेट सफर को करीब से जानने का अनूठा अवसर प्रदान करेंगी। इन 26 बल्लों में वे भी शामिल हैं जिनसे तेंदुलकर ने अपने 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों में से कई ऐतिहासिक और यादगार पारियां खेली थीं। इन बल्लों के अतिरिक्त, उनके हेलमेट, विशिष्ट जर्सी और करियर के कुछ महत्वपूर्ण पलों से जुड़े निजी नोट्स सहित कई अन्य बेशकीमती यादगार वस्तुएं भी इस संग्रह का हिस्सा होंगी। यह प्रदर्शनी तेंदुलकर के खेल जीवन के हर पहलू को दर्शाएगी, जिससे प्रशंसक उन क्षणों को फिर से महसूस कर सकेंगे जिन्होंने उन्हें क्रिकेट जगत में मास्टर ब्लास्टर की पहचान दिलाई। इस प्रदर्शनी का अनावरण 16 नवंबर को एक विशेष समारोह में होगा। यह तिथि तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की 13वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाती है। उन्होंने 16 नवंबर, 2013 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 200वां और अंतिम टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था।

वार्नर बोले कमिंस ने बढ़ा दी है ख्वाजा की मुश्किलें



सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने जिस प्रकार से गेंद से छोड़छाड़ मामले में जो बयान दिया है, उससे उनके साथी बल्लेबाज रहे उस्मान ख्वाजा की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वार्नर के अनुसार इससे मुझे दुख हआ है क्योंकि ख्वाजा से मेरी अच्छी दोस्ती है। कमिंस ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में ख्वाजा के गेंद से छेड़छाड़ मामले की जानकारी सभी खिलाड़ियों को होने के जो आरोप लगाये थे उन्हें गलत करार दिया है। इससे ख्वाज झूठे साबित हो रहे हैा ऐसे अलावा उनपर टीम की छवि खराब करने के लिए आरोप लगने लगे हैं। वार्नर इसलिए भी परेशान हैं क्योंकि उन्होंने शुरुआत में ख्वाजा के आरोपों को सही बताया था। वहीं कई पूर्व खिलाड़ियों ने ख्वाजा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अपनी किताब बेचने के लिए आधारहीन आरोप लगाये हैं। वहीं वार्नर ने कहा कि मैं अभी भी इस मामले में उस्मान के सा था हूं। इससे एक बार फिर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में संकट खड़ा हो गया है हालांकि अधिकतर लोग कमिंस से सहमत हैं। गौरतलब है कि हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले ख्वाजा ने अपनी किताब सब्र के जरिए गेंद से छेड़छाड़ मामले को फिर से शुरु कर दिया। इसमें उन्होंने केप टाउन टेस्ट के बारे में अपना पक्ष रखा है।

भारत का ऐतिहासिक धमाका, 9वीं बार बना एशिया चैंपियन

मोहित उलवा और मनल चौहान ने पाकिस्तान के जबड़े से छीनी जीत, 8 विकेट गिरने के बाद पलटा मुकाबला, एक विकेट से दर्ज की यादगार विजय

नई दिल्ली।

अंडर-19 एशिया कप 2026 के खिताबी मुकाबले में शनिवार को भारतीय युवा क्रिकेट टीम ने अद्भुत जुझारूपन और शानदार प्रदर्शन करते हुए चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। इस शानदार जीत के साथ ही भारत ने रिकॉर्ड 9वीं बार अंडर-19 एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस खिताबी जीत के साथ भारतीय टीम ने पाकिस्तान से दोहरा हिसाब भी चुकता कर लिया। भारत ने न केवल पिछले अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान से मिली हार का बदला लिया, बल्कि मौजूदा टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में मिली शिकस्त का भी करारा जवाब दिया।

मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 337 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 111 गेंदों पर 107 रन बनाए। मध्यक्रम में अब्दुल कादिर ने 54 गेंदों पर 80 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान फरहान यूसुफ ने भी 60 गेंदों पर 63 रन बनाए। भारत की ओर से गेंदबाजी करते हुए काव्या पटेल सबसे सफल रहे। उन्होंने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। वहीं, चिगुरुपति वेंकट ने 5 ओवर में 40 रन खर्च कर 3 खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा।

338 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दिलाई। चोट से जूझते हुए मैदान पर उतरे आर्यवीर सहवाग ने 61 गेंदों पर 58 रन बनाए, जबकि कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 101 गेंदों पर 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारत की जीत की नींव रखी।



हालांकि, इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारतीय मध्यक्रम दबाव में बिखर गया। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने लगातार विकेट चटकाते हुए भारतीय टीम को मुश्किल में डाल दिया और एक समय भारत के 8 विकेट गिर चुके थे। मुकाबला पूरी तरह पाकिस्तान के पक्ष में दिखाई देने लगा था।

जब भारतीय टीम हार के कगार पर खड़ी थी और पाकिस्तान की जीत लगभग तय मानी जा रही थी, तब मोहित उलवा और मनल चौहान ने असाधारण साहस, संयम और आक्रामक बल्लेबाजी का परिचय दिया। दोनों बल्लेबाजों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों की रणनीतियों को नाकाम करते हुए नौवें विकेट के लिए महज 35 गेंदों पर 57 रनों की विस्फोटक साझेदारी की और मुकाबले का रुख पलट दिया।

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रनों की बहुमूल्य पारी खेली और भारतीय टीम को जीत के करीब पहुंचाया। उनकी इस पारी में शानदार बल्लेबाजी और दबाव में धैर्य का बेहतरीन संगम देखने को मिला।

मनल चौहान के आउट होने के बाद भी मोहित उलवा ने हार नहीं मानी। उन्होंने दूसरे छोर पर मोर्चा संभाले रखा और अंतिम बल्लेबाज चिगुरुपति वेंकट के साथ मिलकर दसवें विकेट के लिए महज 16 गेंदों पर 30 रनों की निर्णायक साझेदारी की। इस साझेदारी ने भारत को एक विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी।

मोहित उलवा ने मात्र 26 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की तूफानी पारी खेलकर जीत में सबसे अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी पारी में 5 शानदार चौके और 3 गगनचुंबी छक्के लगाए। इस तरह मोहित और मनल की जांबाज पारियों ने असंभव नजर आ रही जीत को संभव कर दिखाया।

भारतीय टीम ने आठ विकेट गंवाने के बाद जिस तरह वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया, वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए लंबे समय तक यादगार रहेगा। रिकॉर्ड नौवीं बार एशिया कप जीतकर भारतीय युवा खिलाड़ियों ने देश का गौरव बढ़ाया।

डायमंड लीग के 18 वें संस्करण की शुरुआत दोहा से होगी



दोहा। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज डायमंड लीग का 18वां संस्करण अगले साल 7 मई से कतर की राजधानी दोहा में शुरु होगा। इस लीग में विश्व के अधिकतर शीर्ष एथलीट शामिल होंगे। दोहा के बाद सीरीज के मुकाबले एशिया के अन्य शहरों शंघाई/केकियाओ और शियामेन में होंगे। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सत्र में अपनी लय और फार्म साबित करने का अवसर मिलेगा। डायमंड लीग के के मुकाबले इसके बाद 3 जुलाई को अमेरिका के यूजीन, ओरेगन में प्रीफान्टेन क्लासिक के नाम से होंगे। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटेगी, जहां कई अहम प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसाने, लंदन, सिलेसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास बेहतर अंक हासिल कर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में सीजन के शीर्ष एथलीट डायमंड लीग ट्राफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। फाइनल के साथ ही इस प्रतिष्ठित सीरीज के विजेताओं का फैसला होगा। इस सीरीज से खिलाड़ियों को लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में गुरनूर शामिल, कुलदीप बाहर

19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगी दो टेस्ट मैचों की सीरीज, ऋषभ पंत भी टीम से जुड़े

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। पुरुष चयन समिति ने तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया है, जबकि कुलदीप यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी भारतीय टेस्ट टीम के सदस्यों के साथ जुड़ गए हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 19 नवंबर 2026 से वेलिंगटन में शुरू होगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के जून 2027 में होने वाले फाइनल की दौड़ के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में न्यूजीलैंड फिलहाल शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया भी अंक प्रतिशत के आधार पर उसके करीब हैं। भारत चौथे स्थान पर है और



शीर्ष टीमों से कुछ पीछे चल रहा है। ऐसे में फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारतीय टीम को अपने बाकी बचे सात टेस्ट मैचों में से अधिकतर में जीत दर्ज करनी होगी। भारत का अभियान आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के साथ समाप्त होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ संशोधित भारतीय टेस्ट टीम - शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और गुरनूर बरार।

वाराणसी में बना है अनूठा स्टेडियम, हर ओर दिखती है भगवान शिव की झलक, दिसंबर से शुरु होंगे मुकाबले

वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक नया अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बना है। इस स्टेडियम में अगले माह दिसंबर से मुकाबले शुरु होंगे। ये स्टेडियम अन्य सभी से इस मामले में अलग होने के साथ ही विशेष इसलिए है कि इसकी वास्तुकला अनूठी है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टेडियम में हर ओर भगवान शिव की प्रेरणा स्पष्ट दिखती है।

जहां मीडिया बाक्स डमरू के आकार में ढला है, वहीं फ्लड लाइट्स त्रिशूल की आकृति में जगमगाती हैं, और स्टेडियम की छत एक अर्धचंद्राकार स्वरूप लिए हुए है। अभी यहां अंतरराष्ट्रीय मैचों की तारीखें तय नहीं हुई हैं पर घरेलू क्रिकेट मुकाबलों के साथ इस नए मैदान पर खेल का सफर शुरू किये जाने की पूरी तैयारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाराणसी क्रिकेट स्टेडियम में कूच बिहार ट्राफी (अंडर-19 रेड बाल टूर्नामेंट) के कुछ अहम मुकाबले आयोजित किए



जा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने अपनी मेजबानी में होने वाले कम से कम दो मैचों को इस अत्याधुनिक स्टेडियम में कराने का फैसला किया है। लिया है।

इस स्टेडियम को अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अंतिम हरी झंडी मिलने का इंतजार है। इसी सप्ताह बीसीसीआई के अधिकारी वाराणसी पहुंचकर स्टेडियम का गहन दौरा करेंगे और उसकी तैयारियों का जायजा लेंगे।

जैसे ही बीसीसीआई से आवश्यक अनुमति मिल जाएगी, यूपीसीए कूच बिहार ट्राफी के मैचों के नये कार्यक्रम की तुरंत घोषणा कर देगा। मौजूदा कार्यक्रम के तहत, लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 26 से 29 नवंबर तक गुजरात और उत्तर प्रदेश के बीच एक मुकाबला खेला जाना है। इसके बाद, पुडुचेरी से 3 से 6 दिसंबर और छत्तीसगढ़ से 11 से 14 दिसंबर के बीच होने वाले मुकाबले वाराणसी के इस नए मैदान पर खेले जाने की प्रबल संभावना है। यदि सब कुछ योजना के अनुरूप रहा, तो 3 दिसंबर को इस भव्य मैदान पर पहली बार मैच देखने को मिलेगा।

स्टेडियम में कुल 9 उच्च गुणवत्ता वाली पिचें तैयार की गई हैं, जिनमें से 4 लाल मिट्टी की, 3 काली मिट्टी की और 2 मिश्रित मिट्टी की हैं, जो विभिन्न प्रकार के मुकाबलों के लिए अनुकूल होंगी।

शुरुआत में अंडर-19 जैसे घरेलू मैचों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य पिच और मैदान की गुणवत्ता का पूरी तरह से परीक्षण करना है, ताकि भविष्य में यहां बड़े पेशेवर मैचों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सके। अंततः, यह स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएगा।

हालांकि, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के कारण, यहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच 2027 के जून के बाद ही होने की संभावना है, क्योंकि उससे पहले के सभी मैच पहले से ही निर्धारित हैं। फिर भी, जानकारों का मानना है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीए) के मैचों का आयोजन यहां जल्द हो सकता है, जो इस स्टेडियम के लिए एक महत्वपूर्ण और रोमांचक शुरुआत होगी।

निर्भीक पत्रकारिता के लिए सैयद इमामुद्दीन सम्मानित

पीसीडब्ल्यूजे ने मनाया राष्ट्रीय प्रेस दिवस एवं 9वां स्थापना दिवस



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (पीसीडब्ल्यूजे), तेलंगाना इकाई की ओर से शनिवार को खिलवत स्थित सालार-ए-मिल्लत मेमोरियल ऑडिटोरियम, उर्दू मस्कन में राष्ट्रीय प्रेस दिवस एवं 9वां स्थापना दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व पीसीडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय सचिव मीर मोहम्मद अली तथा तेलंगाना इकाई के डिजिटल मीडिया संयोजक मोहम्मद शीराज ने किया। इस अवसर पर पीसीडब्ल्यूजे के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सैयद खालिद कैस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सूचना विभाग के उप निदेशक सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर करीमनगर के द सियासत डेली के स्टाफ रिपोर्टर सैयद इमामुद्दीन को निर्भीक, सत्यनिष्ठ एवं समर्पित पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में स्वतंत्र, निर्भीक एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने तथा सत्य को सामने लाने में पत्रकारों के योगदान की सराहना की गई।



निजामाबाद स्थित राजस्थान भवन में पारीक समाज एवं पारीक युवा मंच की ओर से दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अन्नकूट प्रसाद का भी भव्य आयोजन किया गया। समाज के लोगों ने आपसी मेल-मिलाप के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं।

युवाओं को राजनीति और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए : गड्डम वामसी

पेद्दापल्ली, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद-पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने कहा कि युवाओं को देश के विकास और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभानी चाहिए। इसके लिए उन्हें राजनीति और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर एवं प्रोत्साहन देना आवश्यक है।

सांसद वामसी कृष्णा ने 'तेलंगाना अभ्युदयम् - युवा एवं राजनीति' विषय पर आयोजित चर्चा कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने राजनीति और खेलों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि युवाओं को राजनीति में आने और नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इसी तरह खेल के क्षेत्र में भी उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि वे ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश के लिए अधिक से अधिक पदक जीतने की क्षमता हासिल कर सकें।

श्री वासुपूज्य भवन में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया ज्ञान पंचमी महोत्सव



बेंगलूरु, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन धर्म में ज्ञान आराधना के विशेष महत्व वाले पावन पर्व ज्ञान पंचमी के अवसर पर शनिवार को श्री वासुपूज्य भवन, माधवनगर में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। परम पूज्य गुरुदेव एवं साध्वी भगवंत प. पू. साध्वीजी श्री वीरेशप्रभा श्रीजी म.सा., साध्वीजी श्री सोहमयशाश्रीजी म.सा. एवं साध्वीजी श्री चैतन्ययशा श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे सरस्वती माता के अभिषेक एवं पूजन के साथ हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात प्रातः 9:15 बजे गुरुदेव एवं साध्वीजी भगवंत के प्रवचन हुए। उन्होंने ज्ञान के महत्व, उसकी महत्ता तथा जीवन में ज्ञान आराधना की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। प्रवचन के बाद सामूहिक देव वंदन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर, कुमारापार्क एवं श्री वासुपूज्य मंदिर, माधवनगर में ज्ञान पंचमी के उपलक्ष्य में आकर्षक एवं मनमोहक सजावट की गई। दोनों मंदिरों में ज्ञान की महत्ता को दर्शाती सुंदर सजावट श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन-वंदन कर ज्ञान आराधना का लाभ लिया। समस्त आयोजन में जैन समाज के भाई-बहनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। ज्ञान पंचमी के इस पावन पर्व ने सभी को ज्ञान की आराधना, धर्म के प्रति श्रद्धा एवं धार्मिक संस्कारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

कार्तिक प्रभात फेरी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



मदनूर, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक मास के अवसर पर मदनूर मंडल केंद्र में मारवाड़ी एवं राजस्थानी समाज के तत्वावधान में प्रभात फेरी का आयोजन भक्तिमय वातावरण में किया गया। शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त में स्थानीय बालाजी मंदिर से शुरू हुई पदयात्रा को सरपंच उषा, संतोष मेस्त्री एवं उपसरपंच रमेश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जंगम महेश्वर संगय्यप्पा एवं शंकरप्पा ने शंखनाद के साथ यात्रा का नेतृत्व किया। सैकड़ों श्रद्धालु भगवा वस्त्र धारण कर, हाथों में ध्वज लेकर भजन गाते हुए दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर की ओर रवाना हुए। कार्यक्रम में सभी समुदायों के बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालुओं की सामूहिक सहभागिता ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का संदेश दिया।

निःशुल्क आयुर्वेदिक शिविर आयोजित



मदनूर, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाल दिवस के अवसर पर धनुर गांव में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। स्थानीय सरपंच जयश्री देवकते ने पत्रकारों को बताया कि लगभग 50 वर्षों का अनुभव रखने वाले प्रख्यात आयुर्वेदिक चिकित्सक वाई. प्रकाश के नेतृत्व में शिविर संचालित किया जा रहा है। शिविर को ग्रामीणों की ओर से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इस अवसर पर सरपंच जयश्री देवीदास, उपसरपंच कविता विट्ठल, सदस्य सूर्यकांत लुटेप्रकाश, गंगाधर दिलारा सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे।

1,882 लाभार्थियों को नई पेंशन मंजूरी के दस्तावेज वितरित



पेद्दापल्ली, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गरीबों, महिलाओं, हथकरघा बुनकरों, गीता एवं अन्य पेशेवरों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने नई पेंशन मंजूर की हैं। इस क्रम में सरकारी मुख्य सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयरामन राव ने पेद्दापल्ली नगर पालिका क्षेत्र के 768 तथा पेद्दापल्ली मंडल के 1,114 पात्र लाभार्थियों को नई पेंशन मंजूरी के दस्तावेज वितरित किए। इस अवसर पर विधायक विजयरामन राव ने कहा कि पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र में कुल 5,124 नई पेंशन मंजूर की गई हैं। इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर 19 नवंबर को लाभार्थियों के बैंक खातों में पेंशन की राशि जमा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिलेभर में मंजूर की गई लगभग 11 हजार पेंशन में से 48 प्रतिशत यानी 5,124 पेंशन अकेले पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र को मिली हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य में जनता की सरकार बनने के बाद गरीबों, महिलाओं, बुनकरों, गीता एवं अन्य पेशेवरों के कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। रेवंतन्ना सरकार गरीबों के साथ खड़ी है और पात्र लोगों के जीवन में नई रोशनी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक ने बताया कि तकनीकी कारणों से केवल 2 से 3 प्रतिशत पात्र लोगों को ही फिलहाल पेंशन नहीं मिल पाई है। ऐसे लोगों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। संबंधित त्रुटियों को ठीक कर भविष्य में उन्हें भी पेंशन प्रदान की जाएगी। पेंशन का इंतजार कर रहे बुजुर्गों के लिए अप्रैल से नई प्रक्रिया शुरू की जाएगी तथा पात्र लोगों को 34 महीने की अवधि के भीतर पेंशन दी जाएगी। उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रथम चरण में मंजूर किए गए 3,500 मकानों में से लगभग 2,700 गरीब परिवारों ने अपने घरों का निर्माण पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने वादे के अनुरूप गरीबों के घर का सपना साकार कर रही है। कार्यक्रम में मंडल विकास अधिकारी (एमपीडीओ), तहसीलदार, नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, मार्केट कमेटी अध्यक्ष, नगर पालिका आयुक्त, सिंगल विंडो अध्यक्ष, निदेशक, सरपंच, उपसरपंच, विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता, युवा नेता, कार्यकर्ता, लाभार्थी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा...

प्रेस कॉन्फ्रेंस, साक्षात्कार तथा जनसभाओं जैसे विपक्ष के पारंपरिक राजनीतिक माध्यम भी प्रभावहीन हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में अभूतपूर्व चुनावी खर्च और प्रचार का एक नया तरीका देखने को मिला, जिसने करीबी मुकाबलों और गठबंधन सरकारों के दौर की पुरानी राजनीतिक व्यवस्था को बदल दिया।

मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का आरोप

राहुल गांधी ने चुनावी मतदाता सूचियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बाद में हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए गए और बिना स्पष्ट कारणों के नए नाम जोड़े गए। उन्होंने मतदाता आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान करने वाले 14 करोड़ लोगों को बाद में अस्तित्वहीन मतदाता या गैर-मतदाता घोषित कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि यदि निर्वाचन आयोग ने 14 करोड़ मतदाताओं को अवैध मतदाता घोषित किया है, तो ऐसे चुनाव की वैधता कैसे सुनिश्चित की जा सकती है? महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन ने राज्य में जीत हासिल की थी, लेकिन इसके तीन महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में लगभग समान मत प्राप्त करने के बावजूद विपक्ष को करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बीच मतदाता सूची में 70 लाख नए मतदाता जोड़े गए और उन सभी ने भाजपा को वोट दिया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने कई अन्य राज्यों में भी इसी तरह की विसंगतियां पाई हैं।

फासीवाद पर भी साधा निशाना

राहुल गांधी ने कहा कि कुछ लोग स्वयं को हर सवाल का जवाब जानने वाला मानते हैं, जबकि कुछ लोग जिज्ञासु रहते हैं, दूसरों की बात सुनते हैं और अपनी गलतियां स्वीकार करते हैं। उन्होंने राजनीति में पहली श्रेणी के लोगों को फासीवादी बताते हुए कहा कि ऐसे लोग सुनने के बजाय केवल चिल्लाते हैं। उनके अनुसार जब व्यवस्थाएं और संस्थाएं कमजोर होकर ढहने लगती हैं, तब फासीवाद उभरता है और लोकतांत्रिक ढांचे की बहाली के साथ उसका अंत होता है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में ऐसी शक्तियों का वर्चस्व देखने को मिला, जबकि देश के अधिकांश लोग भ्रम और सदमे की स्थिति में रहे। हालांकि, उन्होंने विश्वास जताया कि जनता और विपक्ष के बीच सीधा संपर्क धनबल तथा संस्थाओं पर नियंत्रण से कहीं अधिक शक्तिशाली है। राहुल गांधी ने भारत समिट में शामिल होने के लिए आने वाले उन विदेशी प्रतिनिधियों और नेताओं से भी माफी मांगी, जिन्हें भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि इसमें आयोजनकर्ताओं की कोई गलती नहीं थी, बल्कि यह देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों का परिणाम है।

समिट...

ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कोई विदेशी प्रतिनिधि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाता है, भारतीय लोकतंत्र पर संदेह जताता है या देश की छवि को नुकसान पहुंचाता है, तो राहुल गांधी के चेहरे पर खुशी दिखाई देती है।

गुइल्युम लॉन्ग के निमंत्रण पर भी सवाल

अग्रवाल ने सवाल किया कि जब भारत पर आरोप लगाए जाते हैं तो राहुल गांधी खुश क्यों होते हैं, लेकिन जब देश का सम्मान बढ़ता है तो वह चुप क्यों रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेश जाकर भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और फिर ऐसे विदेशी प्रतिनिधियों को भारत बुलाकर उन्हें इसी तरह के आरोप लगाने का मंच देते हैं।

गुइल्युम लॉन्ग के निमंत्रण पर भी भाजपा ने सवाल उठाए। लॉन्ग इक्वाडोर के पूर्व विदेश मंत्री हैं और भारत समिट 2026 में वक्ताओं की सूची में उनका नाम बताया गया था। भाजपा ने दावा किया कि जिस सेंटर फॉर इकोनॉमिक पॉलिसी रिसर्च (आर्थिक नीति अनुसंधान केंद्र) में लॉन्ग वरिष्ठ शोधार्थी हैं, उसे वर्ष 2021 में जॉर्ज सोरोस समर्थित ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से 4.20 लाख डॉलर का अनुदान मिला था। भाजपा नेता ने मार्च 2025 में बेंगलुरु में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से आठ ठिकानों पर की गई तलाशी का भी जिक्र किया। पार्टी के मुताबिक, ये तलाशी ओपन सोसाइटी फाउंडेशन और उससे जुड़े लाभार्थियों से कथित तौर पर संबंधित मामलों में की गई थी। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के संभावित उल्लंघन की जांच से जुड़ी थी।

कांग्रेस से भाजपा ने पूछे सवाल

भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी भारत समिट के मेहमानों को लेकर कांग्रेस से जवाब मांगा। उन्होंने सवाल किया कि हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 क्या संवाद का मंच है या भारत विरोधी नैरेटिव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश? त्रिवेदी ने आर्थिक नीति अनुसंधान केंद्र को मिले कथित वित्तीय अनुदान का जिक्र करते हुए एमनेस्टी इंटरनेशनल के पूर्व महासचिव सलील शेट्टी का भी नाम लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि शेट्टी ने वर्ष 2019 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक साक्षात्कार में कश्मीर को लेकर भारतीय सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे।

भाजपा ने एक बार फिर बेंगलुरु में प्रवर्तन निदेशालय की तलाशी का जिक्र करते हुए कांग्रेस से समिट के मेहमानों और इसके पीछे के कथित एजेंडे पर स्पष्ट जवाब मांगा। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी कांग्रेस पर जॉर्ज सोरोस से जुड़े नेटवर्क से संबंध रखने वाले लोगों को भारत की राजनीतिक चर्चा में लाने का आरोप लगाया।

इस्लाम...

दरअसल, 29 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के शिवपुरी में रामकथा के दौरान शास्त्री ने कथित तौर पर कहा था कि 'हमारे राम सीधे हैं, जबकि आपके कृष्ण टेढ़े हैं।' उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीरें देखने और उनकी मुद्रा पर गौर करने को भी कहा था।

राजा भैया ने बताया कि कुंडा में 17 नवंबर से 20 नवंबर तक होने वाली रामकथा का मुख्य उद्देश्य आम लोगों के बीच भगवान श्रीराम की महिमा का प्रचार करना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में करीब 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल होंगे और पाकिस्तान में हिंदुओं के साथ हुई कथित ज्यादतियों की अपनी आपबीती साझा करेंगे।समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को अयोध्या स्थित राम मंदिर जाने के प्रस्तावित दौरे को लेकर राजा भैया ने इसे सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि हर किसी को राम मंदिर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग अब तक अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन नहीं कर पाए हैं, वे एक बड़े आशीर्वाद से वंचित हैं। राजा भैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक रहोगे तो सेफ रहोगे' और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बटोगे तो कटोगे' वाले बयानों का भी जिक्र किया।

एनसीपी...

हालांकि, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने विलय को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगाने की कोशिश की है। शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने को लेकर कोई बातचीत नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार के निधन के बाद विलय का अध्याय उनके और उनकी पार्टी के लिए समाप्त हो गया है। सुले के मुताबिक, पहले जो भी बातचीत हुई थी, वह अजित पवार और उनके बीच हुई थी।

सुप्रिया सुले ने कहा कि अजित पवार गुट की ओर से विलय को लेकर उन्हें न तो कोई प्रस्ताव मिला है, न फोन आया है और न ही कोई संदेश भेजा गया है। एनडीए में शामिल होने की संभावना पर उन्होंने कहा कि जब कोई बातचीत ही नहीं हो रही है तो इस पर चर्चा का सवाल भी नहीं उठता। उन्होंने स्पष्ट किया कि अजित पवार के निधन के बाद परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं।

विलय को लेकर भाजपा की दिलचस्पी की वजह भी राजनीतिक मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, करीब तीन महीने पहले महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों के बीच भाजपा ने अलग-अलग दलों के करीब 44 सांसदों से समर्थन को लेकर बातचीत शुरू की थी। अब राजनीतिक माहौल बदलने के बीच भाजपा को आशंका है कि कुछ सांसद अहम विधेयकों पर सरकार का समर्थन करने के अपने रुख पर दोबारा विचार कर सकते हैं।

ऐसे में एनसीपी के दोनों गुटों का विलय भाजपा के लिए राजनीतिक तौर पर फायदेमंद हो सकता है। शरद पवार गुट के पास लोकसभा के आठ सांसद हैं, जबकि सुनेत्रा पवार गुट के पास एक सांसद है। दोनों गुट एक हो जाते हैं तो नौ सांसद एक ही राजनीतिक छतरी के नीचे आ सकते हैं। इसके अलावा शरद पवार के कई विपक्षी नेताओं से लंबे समय से राजनीतिक संबंध रहे हैं। भाजपा के लिए यह भी एक अहम राजनीतिक पहलू माना जा रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के मुद्दे पर बातचीत अटकी

वहीं, दोनों गुटों के बीच पिछले कुछ हफ्तों में कई दौर की बैठकें और अनौपचारिक बातचीत हुई है। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल की शरद पवार से मुलाकात के बाद शुक्रवार शाम दिल्ली में उनकी सुप्रिया सुले से भी करीब 40 मिनट तक बातचीत हुई। इससे पहले पार्थ पवार ने शरद पवार से दो बार मुलाकात की थी और जयंत पाटील से भी बातचीत की थी। लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष के मुद्दे पर बातचीत अटक गई।

पाक पर ड्रोन हमला....

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर के मुताबिक, अली खेल में 12 आतंकी मारे गए। वहीं, मीर अली और दत्ता खेल में दो-दो आतंकियों को मार गिराया गया।

इस कार्रवाई में हवलदार असमत अली और नायक आफताब अली की भी मौत हो गई। सेना ने कहा कि दोनों जवानों ने बहादुरी से मुकाबला किया। इन अभियानों में मारे गए आतंकियों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है।

आतंकी संगठनों के लिए अलग-अलग नाम इस्तेमाल करता है पाक

पाकिस्तान सरकार बलूचिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठनों के लिए 'फितना अल हिंदुस्तान' नाम का इस्तेमाल करती है। उसका आरोप है कि ये संगठन भारत के इशारे पर हमले करते हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने इस आरोप के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है। भारत ने जून में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के इस कदम की आलोचना की थी।वहीं, पाकिस्तान सरकार प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों के लिए 'फितना अल ख्वारिज' शब्द का इस्तेमाल करती है। सेना का दावा है कि मारे गए आतंकी कई हमलों में शामिल थे। इनमें आम नागरिकों की हत्या भी शामिल

यादगार...

लिए जीवन का यादगार अनुभव है। उन्होंने गिग वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून लाने पर राज्य सरकार का आभार जताया।ललिता ने कहा कि गिग अर्थव्यवस्था में काम करने वाली महिला होने के नाते वह श्रमिकों की परेशानियों को अच्छी तरह समझती हैं। नए कानून से उनके जैसे श्रमिकों को जरूरी सुविधाएं और पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का उनके स्कूटर पर बैठना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सरकार को अपने वादे पूरे करने के लिए धन्यवाद दिया।

अन्य गिग वर्कर्स ने भी नए कानून का स्वागत करते हुए इसे उनके योगदान को पहचान देने और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।कारवां के डिलीवरी वर्कर महेश ए. ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि योजना का लाभ प्रत्येक गिग वर्कर तक पहुंचे, चाहे वह किसी भी कंपनी या मंच के साथ काम करता हो।मोटरसाइकिल रैली की शुरुआत शिल्प-ाराम से हुई। इसमें राहुल गांधी, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, राज्य के मंत्रियों, विधायकों और सैकड़ों गिग वर्कर्स ने भाग लिया। रैली हाईटेक्स मेटल चारमीनार आर्च से होते हुए जयभेरी ग्राउंड्स पहुंचकर संपन्न हुई। यहां नेताओं ने सार्वजनिक सभा को संबोधित किया।

श्रमिकों ...

और भाजपा दो बिल्कुल अलग विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस गिग वर्कर्स से बंधुआ मजदूरों की तरह काम करवाना चाहते हैं, ताकि वे लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में काम करें और उनकी मेहनत का लाभ अरबपतियों एवं बड़ी कंपनियों को मिले।

उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा के अनुसार मेहनत का लाभ श्रमिकों को नहीं, बल्कि अंबानी, अडाणी, उबर और ओला जैसी कंपनियों तथा बड़े कॉरपोरेट घरानों को मिलना चाहिए। इसके विपरीत कांग्रेस गिग वर्कर्स को साझेदार मानती है। राहुल गांधी ने कहा कि श्रमिक देश की नींव और उसकी रीढ़ हैं। कांग्रेस उन्हें सुरक्षा, अधिकार और उनकी मेहनत से पैदा होने वाले लाभ में उचित हिस्सेदारी देना चाहती है।

उन्होंने गिग वर्कर्स को आश्वस्त किया कि तेलंगाना सरकार और कांग्रेस उनके साथ खड़ी रहेंगी तथा उनके परिवारों की शिक्षा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी उठाने में सहयोग करेंगी। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

काम का पूरा ब्यौरा मोबाइल पर मिलेगा

राहुल गांधी ने 21वीं सदी में आंकड़ों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गूगल, फेसबुक, व्हाट्सएप और उबर जैसी कंपनियां बड़े पैमाने पर आंकड़ों का उपयोग करती हैं, लेकिन गिग वर्कर्स को स्वयं अपने काम से संबंधित जानकारी तक पर्याप्त पहुंच नहीं है। उन्हें यह तक पता नहीं होता कि उन्होंने कितनी सवारी या डिलीवरी पूरी की, प्रत्येक काम में कितना समय लगा और उन्हें कितनी राशि का भुगतान किया गया।उन्होंने कहा कि तेलंगाना का नया कानून गिग वर्कर्स को उनके काम से संबंधित आंकड़े प्राप्त करने का अधिकार देता है। अब वे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से सवारी और डिलीवरी की संख्या, काम में लगा समय तथा प्रत्येक लेन-देन के तहत प्राप्त वास्तविक भुगतान की जानकारी हासिल कर सकेंगे।

राहुल गांधी ने वर्ष 2023 में तेलंगाना के गिग वर्कर्स के साथ हुई अपनी पिछली मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय श्रमिकों ने उन्हें अपनी समस्याओं और कठिनाइयों से अवगत कराया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री के साथ मिलकर श्रमिकों को सहयोग, सुरक्षा और संरक्षण देने का वादा किया था। आज सरकार उस वादे को पूरा कर रही है।

राहुल गांधी ने बताया कि तेलंगाना सरकार गिग वर्कर्स के लिए वाई-फाई सुविधा से युक्त विशेष विश्राम केंद्र भी स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि डिलीवरी के लिए श्रमिकों को दिनभर तेज धूप और गर्मी में स्कूटर चलाना पड़ता है। ऐसे में इन केंद्रों पर वे अपने वाहन खड़े कर सकेंगे, बैठकर आराम कर सकेंगे और आवश्यकतानुसार विश्राम कर सकेंगे। ये केंद्र केवल हैदराबाद ही नहीं, बल्कि तेलंगाना के विभिन्न शहरों में भी स्थापित किए जाएंगे।

बीमा योजना की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि किसी दुर्घटना या बीमारी के कारण गिग वर्कर की कमाई बंद हो जाने से पूरा परिवार आर्थिक संकट में आ सकता है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए नई योजना के तहत प्रत्येक गिग वर्कर को पांच लाख रुपये का दुर्घटना बीमा और 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 15 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल शिक्षा समिति का दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दीपावली केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्वभर में मनाया जाने वाला प्रमुख एवं विशिष्ट प्रकाश पर्व है। यह ऐसा उत्सव है, जो समाज के विभिन्न वर्गों को प्रेम, स्नेह और एकता की डोर में बांधता है। साथ ही, जीवन पथ को आलोकित कर सभी में नई ऊर्जा, उमंग और उत्साह का संचार करता है। अग्रवाल शिक्षा समिति भी अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक एकता की भावनाओं से गहराई से जुड़ी हुई है तथा पारंपरिक उत्सवों के आयोजन में सदैव अग्रणी रहती है।

इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 14 नवंबर को समिति के शताब्दी पूर्व स्थापित अग्रवाल हाई स्कूल के प्रांगण में समिति के तत्वावधान में भव्य एवं सार्थक दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, संयुक्त मंत्री एवं कॉरेस्पॉन्डेंट श्री राजेश कुमार अग्रवाल, कॉरेस्पॉन्डेंट श्री मुकुंदलाल अग्रवाल, श्री शेष कुमार गोयल, श्री संजय संघी, श्री महेश अग्रवाल, ट्रस्टी श्री गोविंद दोचानिया सहित शिक्षा समिति के सदस्य श्री रितेश कुमार अग्रवाल, श्री विश्वनाथ अग्रवाल, श्री शिव कुमार केडिया, श्री दिनेश कुमार अग्रवाल, सी.ए. पंकज अग्रवाल तथा अनेक गणमान्य समाजबंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी पदाधिकारी एवं सदस्य सपरिवार समारोह में शामिल हुए। समिति द्वारा संचालित सभी 13 शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, शिक्षक एवं कर्मचारी भी समारोह में उपस्थित रहे।

समारोह में दीपावली से जुड़ी सभी पारंपरिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों का विधिवत निर्वहन किया गया। इस आयोजन ने समिति से जुड़े सभी लोगों को स्नेह और आत्मीयता के सूत्र में बांधते हुए आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने का अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए समिति के मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनका अभिनंदन किया। उन्होंने समिति की निरंतर बढ़ती प्रतिष्ठा एवं प्रगति में सहभागी बनने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में समिति अपने 100 वर्ष पूर्ण कर चुकी है और संस्थाओं के सफल संचालन के साथ निरंतर प्रगति की दिशा में कार्य कर रही है।

समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया ने अपने उद्बोधन में दीपावली पर्व की सामाजिक एवं आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दीपावली एकता, सकारात्मकता और सद्भाव का संदेश देने वाला पर्व है। इस प्रकार के सामूहिक आयोजन सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं तथा आपसी सहयोग, समरसता और सौहार्द की भावनाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने इस पर्व की ऐतिहासिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि दीपावली भगवान श्रीराम की लंका विजय के बाद अयोध्या वापसी, भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर वध तथा भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में भी स्मरणीय एवं अभिनंदनीय है। उन्होंने लक्ष्मी पूजन और गणेश पूजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य और खुशहाली का आशीर्वाद लेकर आता है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मोहन अग्रवाल, श्री मुकुंदलाल अग्रवाल एवं डॉ. सरोज जैन ने भी सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए अग्रवाल शिक्षा समिति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह का मुख्य आकर्षण संगीत, उमंग और उत्साह से भरपूर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। इसमें समिति के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विशेष रूप से समिति के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता की भागीदारी उल्लेखनीय रही। श्री मुकुंदलाल अग्रवाल, श्री विश्वनाथ अग्रवाल, श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल एवं डॉ. मोहन गुप्ता सहित डॉ. सरोज जैन ने अपनी मधुर आवाज में गीत प्रस्तुत कर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। वहीं, शिक्षा समिति के प्राध्यापकों एवं अध्यापिकाओं ने भी गीतों की प्रस्तुति देकर समारोह को संगीतमय बना दिया।

समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं समाजबंधुओं ने आत्मीय वातावरण में एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। संपूर्ण आयोजन सौहार्द, उत्साह, उल्लास और पारिवारिक आत्मीयता से परिपूर्ण रहा।

अंत में समिति की ओर से सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, सदस्यों एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। शुभकामनाओं और मंगलकामनाओं के साथ समारोह का समापन हुआ।

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा की भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा 22 को



पहली बार एक ही परिसर में विराजेंगे माता और बाबा,

22 से 26 नवंबर तक पंचदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का होगा आयोजन

हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर के बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ, चूड़ीधाम में श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के भव्य मंदिर का पंचदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 22 से 26 नवंबर 2026 तक बड़े ही धूमधाम एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। भाग्यनगर में पहली बार एक ही परिसर में श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा विराजमान होंगे। इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह है।

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर 22 नवंबर 2026, रविवार को भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा प्रातः चारमीनार स्थित शिव मंदिर से प्रारंभ होकर भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर की परिक्रमा करते हुए गुलजार हाउस, चार कमान, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज एवं बेगम बाजार होते हुए खेमदास मठ स्थित चूड़ीधाम पहुंचेगी।

पुष्पवर्षा और आकर्षक झांकियां रहेंगी विशेष आकर्षण

प्रेस विज्ञप्ति में श्री गिरिश कुमार गुप्ता ने बताया कि शोभायात्रा का विशेष आकर्षण श्री जीण माता एवं श्री बाबा श्याम का भव्य एवं आकर्षक दरबार रहेगा। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर भव्य रंगोलियां बनाकर शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा। इसके साथ ही पुष्पवर्षा, मनमोहक झांकियां, घोड़े, पालकी एवं बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में सम्मिलित होने वाली महिलाओं को निःशुल्क साड़ी, कलश एवं निशान उपलब्ध करवाए जाएंगे।

पंजीकृत महिलाओं को साड़ियों का वितरण

श्री विनय जैन ने बताया कि खेमदास मठ परिसर में शोभायात्रा के लिए जिन महिलाओं ने अपना पंजीकरण करवाया है, उन सभी को साड़ियों का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने भाग्यनगर के समस्त श्याम प्रेमियों एवं श्री जीण माता के भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में इस पावन शोभायात्रा में सम्मिलित होकर इसकी शोभा बढ़ाने का आग्रह किया।

धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को निमंत्रण

श्री रमाकांत गोयल ने भाग्यनगर की समस्त धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को पंचदिवसीय महोत्सव का निमंत्रण देते हुए आग्रह किया कि सभी संस्थाएं एवं उनके पदाधिकारी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

अंत में आयोजकों ने भाग्यनगर के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं एवं बहनों से सपरिवार इस दिव्य आयोजन में सम्मिलित होकर श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

एमसीईएमई ने भारत की सैन्य अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करने पर किया मंथन



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई) ने मुख्यालय एआरटीआरएसी के तत्वावधान में 14 नवंबर को 'सैन्य क्षेत्र के रूप में अंतरिक्ष' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, शिक्षाविदों एवं निजी उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर आधुनिक युद्ध में अंतरिक्ष की बढ़ती भूमिका तथा भारत की स्वदेशी सैन्य अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया।

एमसीईएमई के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल आई.एस. राठौर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आधुनिक युद्ध में अंतरिक्ष के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सशस्त्र बलों, वैज्ञानिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच समन्वय बढ़ाकर आत्मनिर्भर एवं मजबूत अंतरिक्ष क्षमताएं विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी भारतीय सेना के परिवर्तन के दशक और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप स्वदेशी सैन्य क्षमताओं को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच है।

संगोष्ठी में तीन प्रमुख सत्र आयोजित किए गए। इनमें अंतरिक्ष को युद्ध क्षेत्र के रूप में विकसित करने, भारत की स्वदेशी सैन्य अंतरिक्ष क्षमताओं तथा सैन्य अभियानों के लिए उभरती अंतरिक्ष तकनीकों पर चर्चा हुई। सत्रों में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, अंतरिक्ष निगरानी, सुरक्षा चुनौतियों, क्वांटम तकनीक से सुरक्षित संचार, उपग्रह आधारित निगरानी और सैन्य उपयोग से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।

कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के प्रतिनिधियों के साथ स्काईरूट, सनयार्क, गैलेक्जआई और व्योमिक जैसी अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनियों एवं स्टार्टअप्स ने भी भाग लिया। वक्ताओं को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। अंत में एमसीईएमई के उप कमांडेंट एवं मुख्य प्रशिक्षक मेजर जनरल प्रदीप गोदारा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन के माध्यम से एमसीईएमई ने सशस्त्र बलों में अंतरिक्ष तकनीक के विशेषज्ञ विकसित करने, स्वदेशी साझेदारियों को मजबूत करने और भविष्य के युद्धों की चुनौतियों के लिए भारत को तैयार करने की प्रतिबद्धता दोहराई।



नवनियुक्त हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर श्री महेश मुरलीधर भागवत, आईपीएस से भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्हें नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। भेंट के दौरान श्री मनोज कोठारी एवं श्री प्रवीण कोठारी उपस्थित रहे।

निस्वार्थ सेवा और समर्पण से राधे-राधे ग्रुप ने बनाई समाज में विशिष्ट पहचान : महेश अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को नामपल्ली स्थित जिला पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ ग्रुप के सदस्यों ने मानव सेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद अपनी निस्वार्थ सेवा, निरंतर समर्पण और सामूहिक सहयोग के बल पर समाज में एक अलग ही पहचान बना चुका है। ग्रुप की विशेषता यह है कि यहां प्रत्येक सदस्य सेवा को अपना दायित्व और मानवता के प्रति अपना कर्तव्य समझकर कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि मानव जीवन की वास्तविक सार्थकता दूसरों के काम आने में है। किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना, भूखे व्यक्ति की सहायता करना और बिना किसी अपेक्षा के समाज के लिए समय देना ही सच्ची मानव सेवा है। अन्नसेवा भारतीय संस्कृति की एक ऐसी महान परंपरा है, जिसमें सेवा के साथ-साथ प्रेम, करुणा, दया और आत्मीयता का भाव भी जुड़ा हुआ है। जब किसी जरूरतमंद को भोजन मिलता है, तो उसके चेहरे पर आने वाली संतुष्टि और प्रसन्नता ही सेवा करने वालों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होती है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, सुशील गुप्ता, सुरेश सिंघल, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, ई. जगन चंपापेट, मनीष अग्रवाल, सविता अग्रवाल एवं रवि अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप ने किया निस्वार्थ भाव से अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप द्वारा निरंतर संचालित इस सेवा अभियान के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराकर मानव सेवा का पुनीत कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता सहित सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मूंदड़ा, मनीषा अग्रवाल, चेष्टा गुप्ता, तृष्णा गुप्ता, यशविका गुप्ता एवं मनीषा गुप्ता ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इसके साथ ही ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी अन्नसेवा में अपना सहयोग प्रदान किया।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, समर्पण, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत बनाना भी है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से अन्नसेवा, गौसेवा और अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

पुस्तकालय ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास के केंद्र : प्रो. विजय कुमार

बीजेआर कॉलेज में पुस्तकालय सप्ताह समारोह का शुभारंभ



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाबू जगजीवन राम सरकारी डिग्री कॉलेज (स्वायत्त), नारायणगुड़ा में प्राचार्य कैप्टन प्रो. एम. विजय कुमार की अध्यक्षता तथा पुस्तकालय अधिकारी डॉ. एम. वेंकट रेड्डी के नेतृत्व में पुस्तकालय सप्ताह समारोह का भव्य शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर डॉ. रेड्डी ने पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन के योगदान एवं पुस्तकालय सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सप्ताह के दौरान पुस्तक प्रदर्शनी के साथ निबंध लेखन, भाषण एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी तथा उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्राचार्य प्रो. विजय कुमार ने कहा कि कॉलेज का पुस्तकालय पाँच हजार से अधिक पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों, प्रतियोगी परीक्षाओं की अध्ययन सामग्री एवं डिजिटल सुविधाओं से युक्त है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है।

कार्यक्रम में डॉ. चामर्थी राजेश्वर, गोविंद विठ्ठल राव देशमुख, अन्दे दत्त साई, संस्कृत विभागाध्यक्ष श्रीमती गीता, सी.वी.एल. नारायण, श्रीमती अर्चना मेरी, मुर्तुजा अली सहित प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहें, साइकिल अपनाएं



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नशामुक्त भारत एवं नशामुक्त तेलंगाना का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अलई बलई फाउंडेशन की ओर से हैदराबाद साइक्लिस्ट ग्रुप (एच-सीजी) के सदस्यों को सम्मानित किया गया। ये साइकिल चालक 'नशे को ना कहें' के संदेश के साथ कश्मीर से कन्याकुमारी तक 3,700 किलोमीटर की साइकिल यात्रा करेंगे। रामनगर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन की अध्यक्ष बंदारू विजयलक्ष्मी ने की। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी साइकिल चालकों का सम्मान किया और यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि इस दल में एक महिला साइकिल चालक भी शामिल हैं।

यह यात्रा 19 नवंबर को श्रीनगर से शुरू होकर रामबन, पठानकोट, जालंधर, अंबाला, दिल्ली, मथुरा, ग्वालियर, झांसी, सागर, नागपुर, आदिलाबाद, निजामाबाद, हैदराबाद, कुरनूल, अनंतपुर, बेंगलुरु, मदुरै सहित विभिन्न शहरों से होते हुए कन्याकुमारी पहुंचेगी। दल का लक्ष्य 21 दिनों में 3,700 किलोमीटर की दूरी तय करना है।

इस अभियान में पुलिस निरीक्षक एवं ईगल फोर्स के गद्दम मल्लेश, आर्मी स्कूल की शिक्षिका सेल्वी, उमा महेश्वर राव, श्रीधर जिन्ना, श्रीनिवास गौड़, डॉ. श्रीकांत तथा तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिवक्ता रघुराम सूरी शामिल हैं। इस अवसर पर बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को साइकिल चलाने को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

थैलेसीमिया सोसाइटी ने मनाया बाल दिवस





हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिवरामपल्ली स्थित थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) की ओर से शनिवार को सोसाइटी ऑडिटोरियम में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने फैंसी ड्रेस, नृत्य, गायन, कविता पाठ, खेलकूद एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के पूर्व विशेष मुख्य सचिव एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी विनोद के. अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में स्टार हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. जी. वेद प्रकाश, स्नेहा बुंग तथा उद्यमी एवं समाजसेवी श्याम सुंदरजी लोया शामिल रहे। इस अवसर पर सेरेब्रल पाल्सी जैसी शारीरिक चुनौती पर दृढ़ संकल्प और संघर्ष से विजय प्राप्त करने वाली कृष्णा कमलकिशोर बुंग ने अपनी प्रेरणादायक जीवन यात्रा साझा की। नौ माह की उम्र में स्पास्टिक डाइप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित होने के बावजूद उन्होंने अपनी माता डॉ. मीरा बुंग के सहयोग और स्वयं के दृढ़ प्रयासों से अनेक चुनौतियों का सामना किया। मुख्य अतिथि विनोद के. अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को उसकी शारीरिक स्थिति से परे समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

बाल दिवस पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

आर्य कन्या विद्यालय में सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन







हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देवीदीन बाग, सुल्तान बाजार स्थित आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर शिक्षण समिति के मंत्री प्रदीप जाजू की उपस्थिति में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने गीत, नृत्य, भाषण एवं अन्य रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के उत्साह और उमंग ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।

विद्यालय के वक्ताओं ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों को प्रेम, प्रोत्साहन एवं उचित मार्गदर्शन प्रदान करके ही एक सशक्त, संस्कारित और उज्ज्वल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।

कार्यक्रम में शिक्षण समिति के मंत्री प्रदीप जाजू, भक्त राम एवं सत्यनारायण शर्मा उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती वाई. पद्मा ने श्रीमती अनुराधा, ललिता एवं मयूरी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि इन सभी ने अल्प समय में विद्यार्थियों को रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के लिए तैयार किया।

इस अवसर पर गौतम, श्रीमती वीणा शुक्ला, चित्रा, मालिनी, राजलक्ष्मी, भवानी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अल्पाहार ग्रहण किया। इसी के साथ समारोह का समापन हुआ।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप


श्रीमती सोनम मित्तल
के पुण्य स्मृति के अवसर पर
सोनम मित्तल वुमेन वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकन्दराबाद
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन केंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

!!OM NARENDRA NATHAYA NAMAHA!! !! ॐ नरेंद्र नाथाय नमः !! !! ఓం నరేంద్ర నాథాయ నమః !!
रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी
जगद्गुरु रामानंदाचार्य दक्षिण पीठ, नाणीजधाम
రామానందచార్య నరేంద్రాచార్యజీ
జగద్గురు రామానందచార్య దక్షిణ పీఠం, నానీజీ ధామ్ (మహారాష్ట్ర)
RAMANANDACHARYA NARENDRACHARYAJI

रंगारेड्डी में स्वामीजी के पादुका का आगमन
कृपया सभी भक्तगण इस पादुका का दर्शन का लाभ लीजिए

प.पू. कानिफनाथ महाराज
(उत्तराधिकारी)
Invitation | निमंत्रण
पादुका दर्शन सोहळा పాదుకా దర్శన కార్యక్రమము
दिनांक : सोमवार दि.16-11-2026 - सुबह 9 बजे से सायं 6 बजे तक
स्थल : एम. बी. कन्वेंशन (मराठा भवन), जलपल्ली, काटेदान, जि. रंगारेड्डी
सम्पर्क : 9154062227, 8328558154, 9618532507, 8341224321, 8328028613, 9390757469
आयोजक : रामानंद संप्रदाय – जिला सेवा समिति, रंगारेड्डी जि. तेलंगाना
तुम जिओ, दूसरों को जीवन दो -जगद्गुरु नरेंद्राचार्य
మీరు జీవించండి, ఇతరులను జీవించడానికి తోడ్పడండి.... జగద్గురు నరేంద్రాచార్య మహారాజ్

सरला रामायण पुस्तक का विमोचन



हैदराबाद, 14 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोथापेट स्थित स्पाइसी हब होटल में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीए-सआई) रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त निदेशक एस. आनंद मूर्ति ने सेवानिवृत्त निदेशक वेमुरू हनुमंत राव द्वारा लिखित पुस्तक सरला रामायण का विमोचन किया। वक्ताओं ने लेखक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भूवैज्ञानिक जहां पृथ्वी के शरीर का अध्ययन करता है, वहीं कवि उसकी आत्मा को उजागर करता है। कार्यक्रम में मधिरा सत्यनारायण सहित अनेक सेवानिवृत्त अधिकारियों ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान वेमुरू हनुमंत राव को शॉल एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह में एस. आनंद मूर्ति, राजय्या, दुर्गा राव, एस. गंगा राव, रव्वा श्रीहरि, सांबा शिव राव, सीताराम्मैया, के. राजकुमारी सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे।

श्री राजस्थानी सेवा संघ (रजि.)
वारिसगुडा – सीताफल मंडी
के तत्वावधान में
अन्नकूट प्रसादी
(51वाँ वर्ष)
आज रविवार 15 नवम्बर 2026
सुन्दरकाण्ड (1484वाँ) पाठ : सायं 4 बजे से
अन्नकूट प्रसादी : रात्रि 7:31 बजे से
आमंत्रित स्थल : आई माता मंदिर पारसीगुट्टा
इस पावन अवसर पर सभी धर्मप्रेमी सज्जन सादर आमंत्रित हैं।
अध्यक्ष
पारसमल सोलंकी
परामर्शदाता
रामस्वरूप डालिया, पापालाल चांडक, हरिकिशन मून्दड़ा, गोविन्द सोमानी
उपाध्यक्ष
कमल चौहान, विष्णुदास मून्दड़ा, गणेश चौधरी
सचिव
राहुल फोफलिया
कोषाध्यक्ष
श्रीगोपाल लड्ढा
सह-सचिव
कैलाश राठौड़, शिवप्रकाश लाहोटी, मनोज मालपानी
सह-कोषाध्यक्ष
हनुमानदास मणियार, दीपक छिप्पा
संपर्क सूत्र : 9395525100, 9248038366, 9849081591, 9246150833

अग्रवाल समाज (रजि.) तेलंगाना
Regd. No.: 160/98
301, Raghav Ratna Tower, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad
दीपावली स्नेह मिलन
गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट प्रसाद
सोमवार दि.16 नवम्बर 2026
सायं 6:31 बजे से
स्थान : क्लासिक गार्डन
बालमराई, सिकन्दराबाद

पूजन आचार्य
वेद मूर्ति आचार्य पंडित विशेष

विशेष आकर्षण गोवर्धनजी की फेरी (परिक्रमा) लगाने वाले सदस्यों को खजाना प्रदान किया जायेगा।
सभी अग्रबन्धुओं से निवेदन है कि दीपावली स्नेह मिलन, गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट प्रसाद महोत्सव में सपरिवार पधारकर उत्सव की शोभा बढ़ाएँ।
अग्रवाल समाज, तेलंगाना के पदाधिकारीगण

अनिरुद्ध गुप्ता
अध्यक्ष

नरेंद्र कुमार गोयल
कार्यकारी अध्यक्ष

सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल
उपाध्यक्ष

डॉ. सीमा जैन
मानद मंत्री

प्रतीक कुमार नारसरिया
सह मंत्री

सीए राजगोपाल अग्रवाल
कोषाध्यक्ष
चेयरमैन
परामर्शदातागण

राजेंद्र कुमार अग्रवाल
(Charvi Group)
9246540960

राधेश्याम गुप्ता
MR Group

मोहन अग्रवाल
Tondawale
Dhanlaxmi TMT

सुरेश कुमार अग्रवाल
CSK

राजेश कुमार गोयल
BPP University

सुरेश कुमार अग्रवाल
Delhiwale
संयोजकगण

मंसाराम अग्रवाल

ओमप्रकाश बंसल

गोपाल अग्रवाल
Sri Balaji Jewellers & Exporters

दीपक गुप्ता
Deepak Furnitures

रामप्रकाश गोयल
Goel Pharma

मुकुन्दलाल अग्रवाल
विज्ञापन प्रभारी
शुभकामनाओं सहित
चिमनलाल सुरेश कुमार
बशीरबाग, हैदराबाद
CSK REALTORS LTD
CHIMANLAL SURESH KUMAR

नवी मुंबई नं. 1 इंदौर को पछाड़कर बना सबसे स्वच्छ

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। देश में घूमने के लिए खूबसूरत जगहों की कमी नहीं है, लेकिन किसी शहर की खूबसूरती वहां की साफ-सफाई से भी बढ़ती है। साफ सड़कें, कचरे से मुक्त गलियां, सुंदर नदी किनारे और व्यवस्थित बाजार किसी भी सफर को यादगार बना देते हैं। यही वजह है कि लोग पहाड़ों पर घूमने जाते हैं, क्योंकि वहां का स्वच्छ वातावरण उन्हें अपनी ओर आकर्षित करता है।

अगर आप भी घूमने के लिए ऐसे शहरों की तलाश में रहते हैं, जहां साफ-सफाई के साथ घूमने का अच्छा अनुभव मिले, तो भारत के इन शहरों के बारे में जान सकते हैं।

हाल ही में जारी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में नवी मुंबई ने देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है।

जन सेवा संघ हैदराबाद, तेलंगाना
JAN SEVA SANGH
सूर्य उपासना व लोक आस्था के महापर्व
छठ पूजा

के शुभ अवसर पर आपको सादर आमंत्रित करता है
* छठ पूजा कार्यक्रम *
रविवार दिनांक 15 नवंबर 2026
समय दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक
सोमवार दिनांक 16 नवंबर 2026
समय प्रातः 4 बजे से 8 बजे तक
* घाट स्थल *
नेकलेस रोड घाट, बंडाचेरू बतुकम्मा घाट, सफिलगुड़ा, गणेश निमजनम कोनेरू पत्ती कुंता तालाब, राजेंद्रनगर घाट, श्री वेंकटेश्वरा स्वामी टेंपल धातु नगर कॉलोनी, कंचनबाग, बालानगर शिवालय घाट, कापरा लेके घाट, मलाणा टेंपल घाट यापराल, बतुकम्मा घाट, उप्पल, वेनालगड्डा चेरुवु, जीडिमेट्ला विलेज, रायदुर्गम, गच्ची बावली घाट (धनंजय कुमार साईं बाबा एवं अय्यप्पा स्वामी टेंपल मलकपेट घाट, नाग माता मंदिर तालाब, आर के पुरम, सिकंदराबाद घाट, न्यू कॉलोनी सब्जी मार्केट मियांपुर घाट, बतुकम्मा घाट, जेपी नगर मियांपुर, बतुकम्मा घाट, अलवाल पीएस, शामीरपेट लेक घाट, हेमानगर घाट, दुर्गा मंदिर, श्री राम नगर कॉलोनी, पठानचेरू घाट, साकी चेरुवु पठानचेरू घाट, वेंकटेश्वरा कॉलोनी न्यू मार्केट घाट, अलविन कॉलोनी, पठानचेरू घाट, हतेली के चेरुवु साईं बाबा टेंपल, मेडचल घाट, मेडचल चेरुवु साई बाबा टेंपल घाट, शिवालय टेंपल, मेडचल घाट, संगारेड्डी ओल्ड बस स्टैंड चेरूवु हनुमान टेंपल घाट, संगमेश्वरगुटा चेरुवु, इस्नापुर घाट, बतकम्मा घाट नियर हनुमान टेंपल आईडीए बोलाराम, गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स घाट, चेन्नापुरम चेरुवू जवाहर नगर, बालाजी नागर।
प्रेरणा स्रोत श्री वी के सिंह IPS पूर्व DG (जेल) के मार्गदर्शन में
जन सेवा संघ अध्यक्ष विश्वजीत सिंह
जन सेवा संघ उपाध्यक्ष श्री एस ए खान
जन सेवा संघ कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव
छठ पूजा समिति संयोजक श्री आर पी सिंह
प्रोटोकॉल समिति संयोजक श्री श्रीकांत पांडेय
सहयोगी सदस्य : एल एम चौधरी, जितेंद्र सिंह, सुनील श्रीवास्तव, नारायण ओझा, संजय यादव, के डी चौबे, बिनित सिंह, बबलू ओझा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.